E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

11 YEARS ANNIVERSARY

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -150 | प्रयागराज, शनिवार 23 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प का दावा निकला बे-बुनियाद,यूएस एंबेसी बोली- भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग नहीं हुई, राष्ट्रपति ने कहा था- रु182 करोड़ दिए

नई दिल्ली/वॉशिंगटन।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फरवरी में दावा किया था कि अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी ने भारत में वोटिंग

बढ़ाने के लिए 182 करोड़ रुपए दिए। ट्रम्प का यह दावा अब झूठा साबित हुआ है। ट्रम्प के बयान के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारत स्थित अमेरिकी दूतावास से पिछले 10 साल का ब्योरा मांगा था। इसके जवाब में दूतावास ने 2 जुलाई को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में अमेरिकी दूतावास ने साफ कहा कि उन्हें ऐसा कोई फंड न तो मिला और न ही उन्होंने किसी को दिया। इसमें 2014 से 2024 तक की सभी अमेरिकी मदद का विवरण था। दूतावास ने बताया कि इस अवधि में भारत की चुनावी प्रक्रिया के लिए कोई फंडिंग नहीं की गई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी।अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग ने 16 फरवरी 2025 में दुनियाभर में दूसरे देशों को यूएसएआईडी की 486 मिलियन डॉलर की फंडिंग रद्द करने की घोषणा की थी। डीओजीई ने कहा था कि इसमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 182 करोड़ रुपए का फंड भी शामिल है। इसके बाद ट्रम्प ने 18 फरवरी को कहा था, 'भारत के पास बहुत ज्यादा पैसा है। भारत दुनिया के सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक हैं, खासतौर पर हमारे लिए। मैं भारत और उनके इ्श मोदी का सम्मान करता हूं, लेकिन 182 करोड़ क्यों? ट्रम्प ने अगले कुछ दिनों तक फंडिंग के दावे को कई बार दोहराया भी। इस दौरान वे मोदी का नाम भी लेते रहे। ट्रम्प ने 21 फरवरी को कहा कि ये फंड भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए दिए गए और हमारा क्या? हमें भी अमेरिका में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए पैसा चाहिए। अमेरिका से 3 साल में तिब्बतियों की शिक्षा-विकास के लिए 255 करोड़ मिले- विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दूतावास से मिले दस्तावेज बताते हैं कि 2021 से 2024 के बीच यूएसएआईडी के जरिए कुल 397 करोड़ रुपए भारत में दिए गए। यह मदद अमेरिका के साथ यूएसएआईडी को लेकर पहले से हुए 7 समझौतों के तहत दी गई। इसमें सबसे ज्यादा कुल 255 करोड़ रुपए तिब्बत फंड, तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा और अन्य कार्यक्रमों के लिए दिए गए। 2 सितंबर से बंद हो जाएगा यूएसएआईडी- बीते दिनों राज्यसभा में सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास ने सदन में पूछा था कि यूएसएआईडी की ताजा स्थिति क्या है? इस पर विदेश मंत्रालय ने बताया था कि यूएसएआईडी के 83फीसदी कार्यक्रम अमेरिकी प्रशासन ने समाप्त कर दिए हैं। 94फीसदी कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। जो बचा 17फीसदी कार्यक्रम है, उसे मंत्रालय संभाल रहा है। फिर 29 जुलाई को अमेरिकी दूतावास ने बताया कि यूएसएआईडी के सभी कार्यक्रम 2 सितंबर से बंद हो जाएंगे।

साउथ अमेरिका के पास समुद्र में 7.5 तीव्रता का भूकंप,सुनामी का खतरा टला,फिलहाल जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं

सैंटियागो। साउथ अमेरिका के तट के पास 7.5 तीव्रता का भूकंप आया है। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की जानकारी

नहीं है। भूकंप की जानकारी देने वाली अमेरिकी संस्था यूएसजीसी के मुताबिक इस ?भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिण में ड्रेक पैसेज के पास 11 किमी की गहराई में था। ड्रेक पैसेज साउथ अमेरिका के दक्षिणी सिरे (केप हॉर्न) और अंटार्कटिका के बीच का समुद्री रास्ता है। यह अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ता है। इसे बहुत तूफानी और खतरनाक माना जाता है। इसका नाम सर फ्रांसिस ड्रेक के नाम पर रखा गया है। चिली की नेवी हाइड्रोग्राफिक और ओशनोग्राफिक सर्विस ने पूरे अंटार्कटिका क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की थी। हालांकि, अब इस चेतावनी को हटा दिया गया है। इससे पहले मई 2025 में भी इस इलाके में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था।इससे पहले 30 जुलाई को रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 8.8 थी, जिसके चलते कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद रूस, जापान, अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की थी। यहां सुनामी की हल्की लहरें देखने को भी मिली थीं।हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

गयाजी में पीएम मोदी की सभा,नीतीश बोले- हमने काम किया भूलिएगा नहीं, मंच पर आरजेडी के 2 एमएलए,13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत

गयाजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गयाजी से बिहार के लिए 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- 'यहां के लोगों की

बड़ी इच्छा थी कि गया को गयाजी कहा जाए। मैं बिहार सरकार के फैसले का अभिनंदन करता हूं।' पीएम ने बेगूसराय में बने एशिया के दूसरे सबसे चौड़े 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का वर्चुअली उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बक्सर थर्मल पावर प्लांट समेत कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। इससे पहले नीतीश कुमार ने कहा- हमने आपके लिए काम किया है, भूलिएगा नहीं। मंच पर आरजेडी के 2 विधायक भी मौजूद हैं। रजौली से विधायक प्रकाश वीर और नवादा से आरजेडी विधायक विभा देवी पीएम के कार्यक्रम में हैं। विभा देवी के पति राजबल्लभ यादव हाल में ही रेप केस में हाईकोर्ट से बरी होकर जेल से बाहर निकले हैं। निचली अदालत ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इससे पहले पीएम खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन करते हुए मंच तक पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। 2025 में पीएम मोदी का ये छठा दौरा है। पीएम मोदी ने कहा- मुझे जनता का सेवक बनकर उनके लिए काम करने में सबसे ज्यादा खुशी होती है। मेरा संकल्प है, जब तक हर किसी को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। इसी सोच में बीते 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर दिए गए। केवल बिहार में 38 लाख से अधिक घर बने। गयाजी में 2 लाख लोगों को घर मिला है। हमने सिर्फ चारदीवारी नहीं दी, बल्कि गरीब को उसका स्वाभिमान दिया है। इनमें बिजली-पानी, गैस कनेक्शन की सुविधाएं दी हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, '24 नवंबर 2005 को जब एनडीए की सरकार बिहार में सत्ता में आई तो हमने काम करना शुरू किया लेकिन पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किया था.आज शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है. इसके अलावा हाल ही में कुछ और काम हुए हैं, नए फैसले लिए गए हैं जैसे वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं के लिए पेंशन राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है.'सीएम नीतीश कुमार ने कहा- 'जितना काम हम लोगों ने कर दिया है। पहले बिहार का कितना बुरा हाल था। आज देख लीजिए, पहले कोई कपड़ा ठीक पहन पाता था। हमने महिलाओं-मुस्लिम के लिए काम किया। इन चीजों को याद रखिएगा।'

एल्विश यादव के घर फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार,पुलिस एनकाउंटर, पैर में गोली लगी, फरीदाबाद में छिपा था

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी

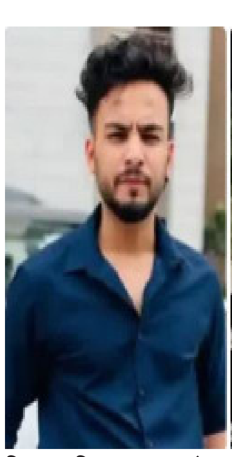

विनर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग करने वाले आरोपी का आज एनकाउंटर किया गया। आरोपी फरीदाबाद में छिपा हुआ था। इसकी सूचना मिलते ही फरीदाबाद की क्राइम ब्रांच टीम उसे पकड़ने पहुंची। यहां उसने पुलिस पर गोलियां चला दीं। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। इस दौरान आरोपी के पैर में गोली। इससे वह घायल हो गया और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। ये मुठभेड़ शुक्रवार सुबह ग्रेटर फरीदाबाद में फरीदपुर-तिगांव रोड पर हुई। आरोपी इशांत उर्फ इशू गांधी फरीदाबाद की पर्वतीय कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक इशांत गांधी पर कई मामले दर्ज हैं। दरअसल, 17 अगस्त को एल्विश के घर पर 24 राउंड फायरिंग हुई थी। घर के दरवाजों, खिड़की और छत की सीलिंग पर गोलियां लगी थीं। फायरिंग करते हुए आरोपियों का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। इसके बाद से ही पुलिस फायरिंग करने वालों की तलाश में जुटी थी।

बिहार में राहुल की वोटर अधिकार यात्रा-मुंगेर में अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किए बिना निकल गए राहुल-तेजस्वी, लोगों ने यात्रा का विरोध किया

भागलपुर। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का शुक्रवार को छठा दिन है। राहुल गांधी का काफिला मुंगेर के जमालपुर पहुंचा है। उनके साथ प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और वीआईपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी भी हैं। इस दौरान राहुल-तेजस्वी खानकाह रहमानी के मौलाना से मुलाकात करने पहुंचे। उनके साथ महागठबंधन के नेता भी मौजूद रहे। करीब 20 मिनट तक ये मुलाकात चली। वहीं, मुंगेर के सीमावर्ती क्षेत्र घोरघट में 12 फिट ऊंची अंबेडकर का नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण किए बिना राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव मौके से निकल गए। इससे वहां खड़े लोग नाराज हो गए। स्थिति को संभालने के लिए पूर्णिया सांसद ने शिलापट्?ट का उद्घाटन किया। हालांकि स्थानीय लोग अब भी नाराज है। मुंगेर के शहरी इलाके में राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का रोड शो हुआ। इस दौरान युवा और पार्टी के कार्यकर्ता गाड़ी के पीछे दौड़ते नजर आए। मुंगेर में यात्रा मुस्लिम और यादव बाहुल इलाकों से गुजर रही है। यहां से सुल्तानगंज की ओर बढ़ेगी। सुल्तानगंज से उनका काफिला अकबरनगर पहुंचेगा, जहां करीब दो घंटे के रेस्ट का है। इसके बाद राहुल गांधी भागलपुर के लिए रवाना

होंगे। भागलपुर में राहुल गांधी 52 किलोमीटर लंबी यात्रा करेंगे। मुंगेर में राहुल गांधी की ये पहली यात्रा है, इसे लेकर लोगों में भी क्रेज है। लोग उन्हें देखने पहुंचे रहे हैं।बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के पांचवे दिन गुरुवार शाम राहुल गांधी ने मुंगेर में बारिश के बीच भाषण दिया। उन्होंने कहा, 'कुछ सालों से चुनाव हो रहे हैं। पब्लिक का मूड एक होता, लेकिन नतीजा दूसरा निकलता है। सबको लगता था कि चुनाव में कुछ ना कुछ गलत हो रहा है।' राहुल गांधी ने दावा किया, 'मुझे पूरा विश्वास है कि पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों में हेरफेर की गई थी। महाराष्ट्र में पहली बार सबूत मिला कि चुनाव आयोग और बीजेपी मिलकर चुनाव चोरी कर रहे हैं। जिन्होंने लोकसभा में वोट नहीं किया, केवल विधानसभा में किया। ये सारे वोट बीजेपी के गठबंधन में गए। हमारा वोट कम नहीं हुआ, लेकिन जहां ये वोट बढ़ा वहां बीजेपी की जीत हुई। मुंबई के एक विधानसभा में दूध का दूध पानी का पानी हो गया।' राहुल गांधी ने कहा, 'बिहार में भी ऐसा ही करने की तैयारी है। पिछली बार भी हमारे गठबंधन की हार के पीछे भी चुनाव चोरी का ही मामला होगा। हर प्रदेश में पीएम मोदी, बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। इस बार हमारे हाथ में सबूत है। हम बिहार में एक वोट चोरी नहीं करने देंगे। बिहार की शक्ति इस यात्रा में दिख रही है।' मुंगेर के सीमावर्ती क्षेत्र घोरघट में 12 फिट ऊंची अंबेडकर का नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण आज राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव करने वाले थे। लेकिन कार्यक्रम स्थल पर प्रतिमा और शिलापट्ट को देखते हुए बिना उद्घाटन किए यात्रा सीधे आगे निकल गई। इससे स्थानीय लोग नाराज हो गए।

सामान्य कुत्ते नसबंदी कर छोड़े जाएंगे,खूंखार को कैद में रखा जाएगा, सार्वजनिक जगह पर खाना देने पर रोक-SC

नयी दिल्ली। शुक्रवार को कोर्ट ने कहा- जिन कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें नसबंदी और टीकाकरण के बाद ही छोड़ा जाना जाएंगी। कुत्तों को पकड़कर नसबंदी, डीवार्मिंग (कीड़े मारने की दवा) और वैक्सीन दी जाएगी। उन्हें जहां से उठाया गया है, उसी याचिका लगाने वाले एनजीओ को 2 लाख और डॉग लवर्स को 25 हजार रुपए कोर्ट में जमा करने होंगे। 14 अगस्त को जस्टिस

चाहिए, सिवाय उन कुत्तों के जो रेबीज से संक्रमित हैं या जिनका व्यवहार आक्रामक है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के उस निर्देश पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि जिन आवारा कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें छोड़ा नहीं जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा, कुत्तों को सार्वजनिक रूप से खाना देने की अनुमति नहीं है। आवारा कुत्तों खाना खिलाने के लिए अलग से जगह बनाई इलाके में वापस छोड़ा जाए। रेबीज से संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को सड़क पर नहीं छोड़ा जाएगा। सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाना मना होगा। नगर निगम को कुत्तों को खिलाने के लिए अलग जगह बनानी होगी। सभी अदालतों में लंबित केस अब सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर होंगे। आदेश, सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं, पूरे भारत में लागू होगा। विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था।

वकील के ड्रेस में सरेंडर करने पहुंचा हत्या का आरोपी, मऊआइमा में सोनार को 30 सेकेंड में मारे थे 15 चाकू, बहन के अफेयर से नाराज था

प्रयागराज। मऊआइमा में सनसनीखेज हत्याकांड के बाद 5 दिन तक क्राइम ब्रांच

समेत पुलिस की तीन टीमें गांव-गांव छापेमारी करती रहीं। लेकिन, मुख्य आरोपी प्रेम ने वकील के ड्रेस में कचहरी पहुंचा। सरेंडर कर दिया। सोनार अमन सोनी को 30 सेकेंड में 15 चाकू मारने के बाद खींचकर नहर में फेंकने के आरोपी प्रेम पटेल ने पुलिस टीमों को चकमा देते हुए अदालत में सरेंडर कर दिया। काली पैंट, सफेद शर्ट पहन प्रेम वकीलों की भीड़ के बीच कचहरी पहुंच गया। अपने वकीलों से उसने पहले ही बात रखी थी। वकीलों जैसी ड्रेस में वह कचहरी के अंदर बैठा रहा। इसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट त्रिशा मिश्रा की अदालत में पेश हो गया। वकील कुमार पाण्डेय ने उसकी पेशी कराई। सीजेएम कोर्ट में पेशी के बाद तेजी से एक सिपाही प्रेम को प्रिजन वैन तक ले गया। उसे न्यायिक अभिरक्षा में नैनी सेंट्रल जेल भेज दिया गया। सरेंडर के लिए कचहरी पहुंचे प्रेम पटेल के हाथ में पट्?टी भी बंधी देखी गई। जब उसने अमन की गर्दन और सीने पर चाकू से वार किया था तो उसका हाथ भी जख्मी हो गया था। इसके बाद उसने खून से लथपथ अमन का बाल और हाथ पकड़ कर खींचते हुए उसे नहर में फेंक दिया था। प्रेम को गिरफ्तार न कर सकने वाली मऊआइमा पुलिस अब उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी में है।

'मुख्यमंत्री मेरे सिंदूर के हत्यारों को कब मिट्टी में मिलाएंगे'-विधायक विजमा यादव

प्रयागराज। प्रयागराज के प्रतापपुर की सपा विधायक विजमा यादव का। उनके पति जवाहर

यादव उर्फ जवाहर पंडित की 1996 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह प्रयागराज के झूंसी विधानसभा सीट से सपा विधायक रहे हैं। विजमा यादव ने एक पोर्टल के इंटरविव में बताया पूजा पाल के मामले को लेकर अपना पक्ष रखा- 'मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे। लेकिन मेरे पति के हत्यारों को तो सरकार ने बरी कर दिया। मुझे न्याय हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मिला, सरकार से नहीं। मैं चाहती हूं कि मुख्यमंत्री जी मेरे सिंदूर के हत्यारों को भी मिट्टी में मिलाएं।' उत्तर प्रदेश में हो रहे अपराध को लेकर उन्होंने कहा-' मुख्यमंत्री कहते हैं कि माफिया खत्म हो जाएंगे। लेकिन माफिया कहां खत्म हुए। माफिया तो खुद पाले गए। आज भी गुंडागर्दी यूपी में साफ दिखाई देती है।दर्द तो हर महिला का एक जैसा होता है। लेकिन फर्क ये है कि पूजा पाल ने पार्टी से धोखा किया। जबकि मेरा दर्द व्यक्तिगत है, मेरे पति की हत्या के बाद भी मुझे न्याय नहीं मिला। मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे। लेकिन मेरे पति के हत्यारों को तो सरकार ने बरी कर दिया। मुझे न्याय हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मिला, सरकार से नहीं। मैं चाहती हूं कि मुख्यमंत्री जी मेरे सिंदूर के हत्यारों को भी मिट्टी में मिलाएं।' पूछे जाने पर की क्या अपने अपनी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाई? उनका कहना था विधानसभा में मैंने मुख्यमंत्री जी से कहा कि अगर एके-47 चलाने वाले बरी हो सकते हैं तो गरीब किसानों और दलितों को भी छोड़ देना चाहिए। लेकिन मेरी गुहार आज तक अनसुनी है। मुख्यमंत्री जी सबको न्याय दिलाएं। केवल दिखावे के लिए 'माफिया मिट्टी में मिल जाएंगे' कहने से कुछ नहीं होगा। जब तक मेरे पति के हत्यारों को सजा नहीं मिलेगी, तब तक मैं न्याय के लिए सवाल पूछती रहूंगी।

धूमनगंज थाना अंतर्गत पुलिस ने पकड़ा 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार,महिला से चेन छीनकर हुआ था फरार

प्रयागराज। अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए धूमनगंज पुलिस ने चेन स्नैचिंग के

एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसके कब्जे से छीनी गई चेन को बेचने से प्राप्त 1700 रुपए नकद बरामद किए हैं। मामला थाना धूमनगंज क्षेत्र का है। 4 जून 2025 को वादी अशोक कुमार सिंह निवासी मुंडेरा ने सूचना दी थी कि जीटी रोड पर हर-हर महादेव मंदिर के पास उनकी पत्नी के गले से अज्ञात बाइक सवार युवक चेन छीनकर फरार हो गए। इस शिकायत पर धूमनगंज पुलिस ने मुकदमा संख्या 176/25 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गईं थीं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी सोनू निगम पुत्र श्याम बाबू निवासी खटंगिया, जसरा थाना घूरपुर प्रयागराज, महिला ग्राम चौराहा राजरुपपुर क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 21 अगस्त 2025 को हजरत शहीद पठान बाबा मजार के पास दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से 1700 रुपए नकद बरामद हुए, जो उसने छीनी गई चेन बेचकर प्राप्त किए थे। आरोपी सोनू निगम की उम्र करीब 20 वर्ष बताई जा रही है। उसके आपराधिक इतिहास की भी पुष्टि हुई है। इससे पहले उसके खिलाफ थाना करछना में मु.अ.सं. 332/24 धारा 303(2)/317(2)/317(5) बीएनएस दर्ज है, जबकि धूमनगंज में हाल ही में दर्ज मुकदमा उसकी आपराधिक गतिविधियों की पुष्टि करता है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजेश चौबे, उपनिरीक्षक राजेश यादव और हेड कॉन्स्टेबल इंद्रेश यादव शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है।

डेंगू को लेकर प्रशासन अलर्ट जारी,अगस्त से नवंबर के बीच बढ़ जाते हैं डेंगू के केस,सतर्क रहने की अपील

प्रयागराज। बाढ़ और बारिश के बाद मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज का मेडिकल प्रशासन डेंगू

और मलेरिया जैसी बीमारियों को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। पिछले पांच वर्षों का आंकड़ा यह दर्शाता है कि सितम्बर से नवम्बर के महीनों के दौरान इन बीमारियों के मामलों में अचानक वृद्धि होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष पहले से ही प्रशासन ने व्यापक तैयारियों के साथ मोर्चा संभाल लिया है।संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें शहर में डेंगू और मलेरिया को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय हो गई हैं। मलेरिया अधिकारी आनंद सिंह ने जानकारी दी कि मेडिकल प्रशासन ने सात विशेष टीमें गठित की हैं, जिनमें प्रत्येक टीम में एक इंस्पेक्टर के साथ एंटी-लार्वा कार्यकर्ता भी शामिल हैं। शहर को सात सेक्टरों में बांटते हुए हर टीम को उसके निर्धारित क्षेत्र में छिड़काव, सफाई और निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।जिला चिकित्सालय में बेड किये गये हैं रिजर्व। इन टीमों का कार्य केवल निरोधात्मक छिड़काव करना ही नहीं है, बल्कि संभावित डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से सक्रिय हो जाना भी है। यदि किसी क्षेत्र में डेंगू का मरीज पाया जाता है, तो वहाँ विशेष निगरानी और सफाई अभियान चलाया जाता है, ताकि संक्रमण आगे न फैल सके। इसके अलावा, अस्पतालों में डेंगू के संभावित मरीजों के लिए पहले से आरक्षित बेड रखे गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर इनकी संख्या भी बढ़ाई जाएगी। 2021-22 में डेंगू हुआ था जानलेवा , हालात थे गंभीर। मलेरिया अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2021-22 में डेंगू के मामले काफी अधिक सामने आए थे, और उस समय यह बीमारी कई मामलों में जानलेवा साबित हुई थी। प्रशासन की कोशिश है कि इस बार कोई ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। यही कारण है कि पहले से ही सजगता बरती जा रही है और जन जागरूकता अभियान भी निरंतर चलाए जा रहे हैं।शहर में विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनियों में नगर निगम की टीमों द्वारा नियमित रूप से फॉगिंग और लार्वा रोधी दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है।

भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री स्व राजीव गांधी जी की 81 वीं जन्म दिन पर जिला कांग्रेस कमेटी कमला नेहरू हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरण किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 20 अगस्त को कंप्यूटर नंबर एक और दो में फल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कमला किया। कार्यक्रम में सुशील तिवारी,जितेन्द्र कुमार राय,मंजू

क्रांति के जनक, भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री स्व राजीव गांधी जी की 81 वीं जन्म दिन पर जिला कांग्रेस कमेटी प्रयागराज (यमुनापार) के अध्यक्ष अशोक सिंह पटेल जी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ कमला नेहरू हॉस्पिटल प्रयागराज के सभी पांच जनरल वार्डो में क्रमशः नेहरू वार्ड, इंदिरा वार्ड, प्रसूति वार्ड और वार्ड नेहरू हॉस्पिटल की डॉ सोनिया तिवारी जी ने भी जिलाध्यक्ष अशोक सिंह पटेल जी के साथ मरीजों को फल बांटने में सक्रिय भूमिका निभाई। फल को पाकर नेहरू वार्ड में भर्ती बच्चो में मुस्कान की लहर दौड़ गई। फल वितरण करवाने में कमला नेहरू हॉस्पिटल के सुरक्षा इंचार्ज एन एन सिंह जी ने अपने हमराहियों के साथ बहुत सहयोग संत,अरुण चौरसिया,विनय कृष्ण पांडेय, अवनीश कोल, राजू सिंह पटेल, डॉ राधेश्याम यादव, कामद प्रताप सिंह, अर्चना सिंह, चंद्रा जोशी, राजू सिंह कुड़ी, आकाश सिंह,रमेश कुशवाहा, निर्भय शंकर दुबे,संजीत सिंह सांगा, रजनीश चौधरी,विमल मेहरोत्रा, , नवनीत मिश्रा, आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज करेली में हवाई फायरिंग करने वाला सादिक जले गिरफ्तार,हथियार किया जब्त,त्रिनेत्र कैमरों ने खोला राज

प्रयागराज। गुरुवार देर रात करेली थाना क्षेत्र के लेबर चौराहे पर लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले मौके के आसपास लगे आई-ट्रिपल-सी कैमरों की फुटेज खंगाली और आरोपी की शिनाख्त की। तकनीकी साक्ष्यों और सुरागों के आधार पर दिखाने की कोशिशों पर पुलिस की पैनी नजर को साबित किया है।गौरतलब है कि सादिक का आपराधिक बैकग्राउंड भी संदिग्ध

सादिक जले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह घटना बुधवार देर रात की है, जब आरोपी कार में बैठकर भौकाल जमाने के लिए पिस्टल से कई राउंड फायर कर रहा था। घटना का वीडियो और आवाज इलाके में दहशत फैलाने के लिए काफी था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कमिश्नरेट हरकत में आ गया। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने एडीसीपी अभिजीत कुमार को आरोपी की पहचान कर तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद देर रात ही आईपीएस अभिजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने टीम ने सादिक जले को धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास से इस्तेमाल की गई लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने महज भौकाल जमाने और इलाके में दबदबा दिखाने के लिए यह फायरिंग की थी। पुलिस अब उसके साथी की तलाश कर रही है, जो घटना के दौरान उसके साथ मौजूद था। एडीसीपी अभिजीत कुमार ने बताया कि अभियुक्त सादिक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस मामले ने एक बार फिर प्रयागराज में मनबढ़ई रहा है। पुलिस के अनुसार, उसका भाई साल 2022 में विधानसभा चुनाव के दौरान करेली के एक पोलिंग बूथ के बाहर बमबाजी की घटना में पकड़ा गया था। उस घटना में एक राहगीर की मौत भी हो गई थी। परिवार के इस आपराधिक इतिहास के चलते पुलिस आरोपी की पृष्ठभूमि की भी गहराई से जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रयागराज में फायरिंग, धमकाने और दहशत फैलाने जैसी घटनाओं को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों में कानून का खौफ पैदा होगा।

रोजगार महाकुंभ 2025 का आयोजन 26 से 28 अगस्त तक, रोजगार महाकुंभ 2025 : अभ्यर्थी के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी विजय बहादुर सिंह अधिक से अधिक युवाओ को रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने ऑन-स्पॉट साक्षात्कार। 10 से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जाने की संभावना। 10 से अधिक

सेंगर ने बताया है कि श्रम एवं सेवायोजन विभाग द्वारा बी0सी0एस0 कन्सल्टिंग प्राइवेट लि0, लखनऊ एवं इकनोमिक्स टाइम्स ऑफ इंडिया की सहभागिता से रोजगार महाकुम्भ 2025' का आयोजन 26 से 28 अगस्त 2025 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जा रहा है। इस अभियान के तहत बताया है कि इस आयोजन में मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश अतिथि के रुप में प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने रोजगार महाकुंभ 2025 के प्रमुख बिंदुओं के बारे में जानकारी दी है कि 1 लाख से अधिक अभ्यर्थियों का पंजीकरण अपेक्षित है। 100 से अधिक अग्रणी कॉर्पोरेट्स की सहभागिता। 20 हजार से अधिक नियुक्त अभ्यर्थियो का निशुल्क ए0आई0 प्रशिक्षण। 25 हजार से अधिक इंटरनेशनल जॉब्स। सेक्टर-वार प्रदर्शनी एवं नेटवर्किंग सत्र। नीतिगत संवाद ज्ञान करने के सत्र एवं सहयोग अवसर। विगत 8 वर्षों में प्रदेश में हुए इनवेस्टमेंट कंपनियों द्वारा रोजगार सृजन। प्रदेश की स्टार्टअप योजना के अंतर्गत के द्वारा स्वः रोजगार को बढ़ावा। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अन्तर्गत शिक्षित और कुशल युवाओ को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए बढ़ावा। एक जनपद-एक उत्पाद कार्यक्रम के विशिष्ट शिल्प कलाओ एवं उत्पादों को छात्रों एवं कुशल युवाओ से जोड़कर स्वरोजगार के लिए प्ररित करना। उन्होंने बताया है कि रोजगार महाकुम्भ 2025 में प्रतिभाग करने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी https://rojgaarsangam.up.gov.in पोर्टल पर पजीकरण करा सकते है तथा 26 से 28 अगस्त 2025 तक इंदिरा गाधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में उपस्थित होकर रोजगार का सुनहरा अवसर प्राप्त कर सकते हैं। मेले में प्रतिभाग करने हेतु कोई भी यात्रा भत्ता देय नही होगा।

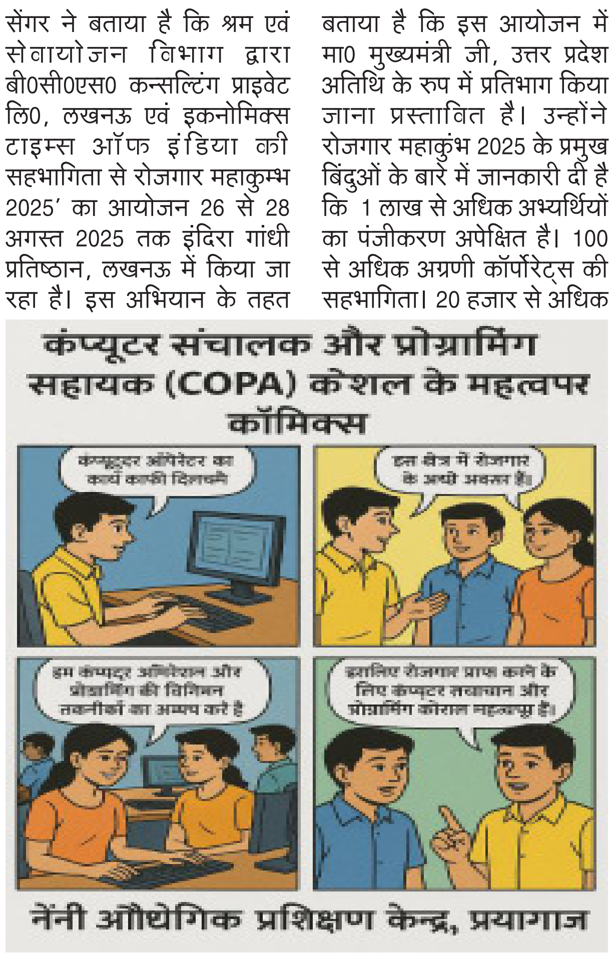

प्रयागराज में सीसीटीवी पर डॉक्टर की मुहर चोरी,बेली हॉस्पिटल के डॉ. केके मिश्रा की ओपीडी में घुसा युवक

प्रयागराज। तेज बहादुर सप्रू हास्पिटल के नेत्र रोग विभाग की युवक अपने हाथ में कुछ कागज लेकर अंदर जाता है ताकि किसी कराया तो पता चला कि मुहर तो चोरी हो गई है। इसकी

ओपीडी में घुसकर एक युवक ने डॉक्टर की मुहर चुरा ली। यह ओपीडी डॉ. केके मिश्रा की है। जब वह ऑपरेशन थियेटर में थे तब एक युवक डॉक्टर की ओपीडी में घुसता है और उनके ड्रावर से उनकी मुहर चुरा ले जाता है।चोरी की यह घटना सीसीटीवी में रिकार्ड हो जाती है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि को शक न होने पाए कि वह कुछ चुराने के लिए यहां आया है। वह सीधे डॉक्टर के ड्रावर से मुहर लेकर भाग जाता है। जब मुहर नहीं मिली तो चेक कराया सीसीटीवीजब डॉ. केके मिश्रा ओपीडी में आते हैं और किसी कार्यवश अपनी मुहर तलाशते हैं तो नहीं मिलती है। इसके बाद उन्होंने सीसीटीवी फुटेज चेक सूचना उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को दिया है। बता दें इस अस्पताल में 2 दर्जन से ज्यादा एक्स आर्मी मैन सुरक्षा की व्यवस्था संभाल रहे हैं। इसके बावजूद भी यहां बड़ी संख्या में दलाल और उच्चके टहलते रहते हैं। कभी बाइक चोरी की घटना तो कभी इस तरह की चोरियां होती रहती है।

अधुनिक समाचार विशेष साक्षात्कार चिंता पांडेय द्वारा लिया गया साक्षात्कार,डॉ. यशवीर सिंह (पुलिस अधीक्षक, रायबरेली) से खास बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। **प्रश्न (चिंता पांडेय): रायबरेली जनपद में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आपकी**

चिंता पांडे राज्य प्रमुख आधुनिक समाचार

प्राथमिकताएं क्या हैं? उत्तर (डॉ. यशवीर सिंह): हमारी पहली प्राथमिकता जनपद में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना है। इसके लिए हम संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखते हैं, थानों को एक्टिव किया गया है और जनता से सीधे संवाद स्थापित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। **प्रश्नः साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस की क्या रणनीति है?** उत्तरः साइबर अपराधों को लेकर हम काफी सतर्क हैं। हमने साइबर सेल को सक्रिय किया है, साथ ही आमजन को जागरूक करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों व सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति साइबर ठगी से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी रखे। **प्रश्नः महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आपके विभाग ने क्या कदम उठाए हैं?** उत्तरः महिला सुरक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में है। 'महिला हेल्प डेस्क' सभी थानों में सक्रिय हैं, 112 सेवा के ज़रिए तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही 'महिला शक्ति अभियान' के अंतर्गत स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। **प्रश्नः जनता और पुलिस के बीच विश्वास कैसे बढ़ाया जा रहा है?** उत्तरः जनता और पुलिस के बीच संवाद की खाई को पाटना बेहद जरूरी है। इसके लिए 'जनसंवाद' कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें अधिकारी गाँवों और कस्बों में जाकर जनता से मिलते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और तत्काल समाधान करते हैं। **प्रश्नः रायबरेली जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील जिले में चुनावों के दौरान पुलिस की क्या रणनीति रहती है?** उत्तरः चुनाव के दौरान हम निष्पक्षता, सतर्कता और पारदर्शिता के साथ काम करते हैं। सभी संवेदनशील बूथों की पहचान कर वहां विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। साथ ही फ्लैग मार्च, निगरानी ड्रोन से और सीसीटीवी के ज़रिए की जाती है ताकि शांति बनी रहे। **प्रश्नः आप युवाओं**

डॉ यशवीर पुलिस अधीक्षक रायबरेली

के लिए क्या संदेश देना चाहेंगे? उत्तरः मैं युवाओं से कहना चाहूंगा कि वे देश और समाज के निर्माण में भागीदार बनें। नशा, अपराध और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से दूर रहें। पढ़ाई करें, खेलें और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें। पुलिस प्रशासन हर कदम पर आपके साथ है। अंत में डॉ. यशवीर सिंह ने अपील की कि जनपद की जनता सहयोग बनाए रखे और किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

जिलाधिकारी ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी का किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज, एवं प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण नीतियों, निर्णयों, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार होता है और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभपरक व

ऑडिटोरियम के परिसर में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित राना बेनी माधव बक्श सिंह के जीवन एवं जनपद के महत्वपूर्ण स्थलों व प्रदेश सरकार के विकास कार्यों पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि राना बेनी माधव बक्श सिंह के जीवन व जनपद के महत्वपूर्ण स्थलों प्रचार-प्रसार के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा 22 से 24 अगस्त तक फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के परिसर में तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी सुबह 09 बजे से सायं 06 बजे तक आमजन मानस के लिए खुली रहेगी। जिसमें आम जनमानस आकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी से जन कल्याणकारी योजनाओं संबंधित जानकारी लोगों को मिलती है। इस अवसर पर रवींद्र सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कौशलेंद्र सिंह, पूर्व प्राचार्य डायट जे0पी0 सिंह, महेंद्र अगवाल, डॉ0 मनीष चौहान, जि0पं0स0 राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सभासद एस0पी0 सिंह, डॉ0 आर0एन0 सिंह, डॉ0 अभिषेक द्विवेदी, उपेंद्र सिंह, आर0बी0 सिंह, सुयश मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग ने 68 लीटर अवैध कच्ची शराब पकड़ी, तीन अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर के आदेश के क्रम मे अवैध शराब के निर्माण ,बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में ,आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 3 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा तहसील लालगंज के थाना खीरों अंतर्गत ग्राम मोहनपुर, एवं बेहटा सातनपुर में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों / संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 68 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 450 किलोग्राम महुआ लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए तीन अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

नई तकनीक से हर मौसम में मिलेगा 'सुरखा अमरूद' खेती में क्रांतिकारी बदलाव, किसानों की आय बढ़ाने की तैयारी

प्रयागराज। संगमनगरी की पहचान कहे जाने वाले सुरखा अमरूद का स्वाद अब सिर्फ सर्दियों तक सीमित नहीं रहेगा। अब साल

के तीनों मौसम में लोग सुरखा अमरूद का लुत्फ उठा सकेंगे। किसानों के लिए यह किसी सौगात से कम नहीं है, क्योंकि अभी तक यह फसल केवल एक सीजन में ही होती थी और किसानों को सीमित आय ही मिल पाती थी। घाटे की स्थिति से परेशान किसान धीरे-धीरे इससे दूरी बना रहे थे। लेकिन अब 'स्पेलियर प्रणाली' इस तस्वीर को बदलने जा रही है। खुसरो बाग में औद्योगिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र ने 27 अमरूद के पेड़ों पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्पेलियर प्रणाली लागू की है। प्रशिक्षण प्रभारी विजय किशोर सिंह बताते हैं कि यह पहली बार है जब सुरखा

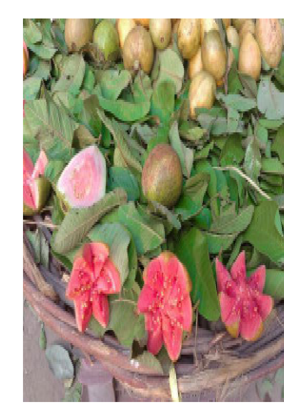

अमरूद को इस तकनीक से उगाया जा रहा है। उनका कहना है कि अगर प्रयोग सफल हुआ तो बड़े पैमाने पर किसान इससे जुड़ेंगे और पूरे साल अमरूद की खेती से आय प्राप्त कर सकेंगे। इस नई तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि पेड़ के हर हिस्से को बराबर सूरज की रोशनी मिलती है। इससे अमरूद का रंग और आकार एक जैसा होता है। इसके साथ ही फसल की देखरेख, फल तोड़ने और फ्रूट बैगिंग जैसी प्रक्रियाएं भी आसान हो जाती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमरूद का एक फल पूरी तरह विकसित होने के लिए 30 से 35 पत्तियों की जरूरत होती है। इस प्रणाली में पत्तियों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे उत्पादन कई गुना बढ़ सकता है। यही वजह है कि इसे अमरूद की खेती में क्रांतिकारी बदलाव माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से यह प्रोजेक्ट शुरू हुआ है। इसमें रहमानखेड़ा, लखनऊ स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान भी

तकनीकी मदद दे रहा है। उम्मीद की जा रही है कि यह प्रणाली किसानों को अमरूद की खेती में घाटे से निकालकर बेहतर मुनाफे की राह दिखाएगी। प्रयागराज मंडल में कुल 2770 हेक्टेयर में अमरूद की बागवानी। प्रयागराज में 335 हेक्टेयर में सुरखा अमरूद की खेती, उत्पादन करीब 400 टन। कौशांबी जिले में सबसे ज्यादा, करीब 2200 हेक्टेयर में बागवानी और उत्पादन 35 हजार टन। सुरखा अमरूद केवल प्रयागराज और कौशांबी की पहचान ही नहीं, बल्कि यहां की सामाजिक और आर्थिक धड़कन भी है। स्थानीय किसान बताते हैं कि अगर यह तकनीक सफल होती है तो बाजार में सालभर सुरखा अमरूद की उपलब्धता बनी रहेगी, जिससे उनकी आय बढ़ेगी और प्रयागराज की पहचान को और मजबूती मिलेगी।

आधुनिक समाचार- रॉबर्ट्सगंज ट्रैफिक को मिलेगी नई रफ्तारः डीएसपी डॉ. चारु द्विवेदी ने बताए सख्त और स्मार्ट इंतज़ाम

रिपोर्टः चिंता पांडेय, ब्यूरो इनचार्ज, रॉबर्ट्सगंज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज। शहर की यातायात व्यवस्था में जल्द ही बड़ा बदलाव

चिंता पांडे ब्यूरो प्रभारी सोनभद्र

देखने को मिलेगा। ट्रैफिक विभाग की कमान संभाल रहीं सीओ ट्रैफिक डीएसपी डॉ. चारु द्विवेदी ने आधुनिक समाचार से खास बातचीत में बताया कि ट्रैफिक को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए एक संगठित रणनीति पर काम शुरू हो चुका है।जुर्माना और जागरूकता दोनों चलेंगे साथ- डॉ. द्विवेदी ने कहा कि हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने और मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त चालान अभियान जारी है। सीसीटीवी और ई-चालान सिस्टम के ज़रिए हर गतिविधि पर नज़र रखी जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त तैनाती- बाजार, स्कूल और अस्पताल के आस-पास ट्रैफिक स्टाफ की तैनाती बढ़ा दी गई है। स्कूलों के समय और भीड़भाड़ वाले घंटों में विशेष बल लगाया जा रहा है ताकि छात्र और नागरिक सुरक्षित रहें। गलत दिशा में गाड़ी चलाने वालों पर विशेष फोकस- 'रॉन्ग साइड ड्राइविंग' एक बड़ी समस्या बन चुकी है। ऐसे मामलों

डॉ चारु द्विवेदी सी ओ ट्रैफिक डीएसपी सोनभद्र

में तुरंत कार्रवाई की जा रही है और पहली बार में ही चालान काटा जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के व्यवहार में भी आएगा बदलाव डॉ. द्विवेदी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस को भी नई ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्हें सख्ती के साथ-साथ संवेदनशीलता और संवाद कौशल भी सिखाया जा रहा है। शहर में चलेगा ट्रैफिक अवेयरनेस कैंपेन 'आधुनिक समाचार' से बातचीत में उन्होंने बताया कि स्कूल-कॉलेजों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन जैसे स्थानों पर ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिससे जनता नियमों के प्रति जागरूक हो। जनता से अपील- 'मैं सभी नागरिकों से अनुरोध करती हूं कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें। आपकी सुरक्षा आपके हाथ में है। हेलमेट, सीट बेल्ट और सड़क संकेतों का पालन करें। यह एक जिम्मेदार नागरिक होने का प्रतीक है।'

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा ने प्राथमिक विद्यालय बेलाबेला का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विद्यालयों की हकीकत

को जानने के लिए शुक्रवार को सदर तहसील के उप जिलाधिकारी व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा ने राही ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बेलाबेला का निरीक्षण किया। विद्यालय का निरीक्षण करने पहुँचे सदर एसडीएम को विद्यालय में निरीक्षण के समय 162 के सापेक्ष 120 छात्र उपस्थित मिले। इसके साथ ही कक्षा एक के छात्रों से गणितीय ज्ञान व पहाड़ा भी सुने। इसके साथ ही विद्यालय की व्यवस्था देखी और बच्चों के साथ में मिलकर मिड डे मील भी किया। इसके साथ ही किचन का भी निरीक्षण किया। एसएमसी सदस्यों के बारे में भी जानकारी ली। इसके मौके पर बीईओ बृजलाल, प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह, दुर्गेश वर्मा, धीरेंद्र, प्रिया साहू, अर्चना पांडेय शिक्षामित्र उपस्थिति रही।

कढ़ी-चावल भोग के साथ भगवान श्री कृष्ण की छठी बड़े धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव घर के साथ मंदिरों में भी धूमधाम से मनाई जाती है। कान्हा जी की दिन कढ़ी चावल का भोग जरुर चढ़ाया जाता है। इस पावन पर्व पर

मंदिर पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया । आज भगवान श्री कृष्ण जी की छठी मनाई गई। इस शुभ अवसर पर भक्तों द्वारा कड़ी चावल का विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। हिंदू धर्म में बच्चे के जन्म के 6 दिन बाद छठी मनाई जाती है, यही परंपरा भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण के 6 दिन बाद निभाई जाती है। जिसे बाल गोपाल की छठी या लड्डू गोपाल की छठी के नाम से जाना जाता है। भगवान कृष्ण की छठी छठी पूजन में सबसे पहले बाल गोपाल को स्नान कराया गया तत्पश्चात वस्त्र, मोरपंख, बांसुरी, और आभूषण आदि से विशेष श्रृंगार किया गया ।फिर इसके बाद अपने लड्डू गोपाल को चंदन, केसर, हल्दी, फल, फूल, धूप, दीप, अर्पित किया गया। कढ़ी चावल का भोग लगाकर फिर प्रसाद वितरण किया गया। कहते हैं कि इस सात्विक भोजन से शीतलता मिलती है और यह पचाने में आसान होता है और पौष्टिक होता है। इसलिए छठी वाले सोसाइटी की महिला मंडली ने भजन कीर्तन कर छठी महोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर आर डब्लू ए उपाध्यक्ष रवि राघव,महासचिव श्रीमती बंटी सिंह, गोरेलाल कुमार,रमेश चंद्र शर्मा , पंडित विनोद मिश्र, हरि शंकर सिंह, विष्णु शर्मा, सेंसर पाल, दीपक तिवारी, सुशील पाल, विकास शर्मा, अंगद सिंह तोमर, दिनेश पाठक, अटल गुप्ता , संजय पांडे, अनूप सिंह आदि पॉकेट वासी उपस्थित रहे।

जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट के यंग सोशल रेस्पोंसिबिलिटी क्लब के रक्तदान शिविर में सेना के लिए जुटाया रक्त,'भारतीय सेना के सहयोग से सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत उदाहरण'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने आर्म्ड सेना के सहयोग से यह पहल केवल रक्तदान नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का प्रतीक है। हमारे विद्यार्थी और अग्रवाल जी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा– 'भारतीय सेना के साथ इस तरह का सहयोग संस्थान

फोर्सेज ट्रांसफ्यूजन सेंटर Forces, नई दिल्ली और यूथ सोशल रेस्पोंसिबिलिटी क्लब, जीएल बजाज के सहयोग से रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। यह पहल भारतीय सेना के साथ संस्थान की लगातार तीसरी वर्षगांठ है, जो समाज सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। शिवर का उद्घाटन डायरेक्टर डॉ सपना राकेश जी ने किया। डॉ. सपना राकेश ने कहा–'भारतीय फैकल्टी इस महान कार्य से जुड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दे रहे हैं।' इस शिविर में विद्यार्थियों से लेकर फैकल्टी तक सभी दानदाताओं ने 'रक्तदान महादान है' की भावना को जीवंत किया। इस वर्ष कुल 124 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो करुणा, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल है। जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन श्री पंकज के लिए गर्व की बात है। इस शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं ने मानवता और देशभक्ति की अद्भुत मिसाल पेश की है। यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा।' वाईएसआर क्लब के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं, विद्यार्थियों, फैकल्टी और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि एक छोटा-सा प्रयास भी किसी के जीवन की बड़ी उम्मीद बन सकता है।

भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र पर जिला पदाधिकारी, मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बैठक में आगामी पंचायत चुनाव पर मंत्रणा की। कहा मजबूत बनाकर एकात्म मानववाद के लक्ष्य को पूरा करना है। हर

बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह जी मौजूद रहे बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर मुख्यअतिथि अनिल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने पुष्प अर्पित कर किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी व संचालन जिला मंत्री संतोष शुक्ला ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि बूथ संरचना और जनसंवाद ही चुनावी जीत का आधार बताया। उन्होंने मण्डल अध्यक्षों से शक्ति केन्द्रों व बूथों पर नियमित बैठकें कर संगठन को मजबूत और सक्रिय करने को कहा। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा के साथ संगठन के बलबूते चुनावों में सरकार बनाने की तैयारी शुरू करनी होगी। हर मण्डल में संगठन नंबर वन होना चाहिए। संगठन के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ गरीबो तक पहुंचे। संगठन के माध्यम से प्रत्येक बूथ पर भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ाना है। छुटे तथा युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए घर-घर संपर्क कर मतदाता सूची अपडेट करने को कहा। यह भी कहा हमें सजग रहकर विपक्ष द्वारा लगातार फैलाएं जा रहे झूठ व फरेब का पर्दाफाश करना होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कहा कि मण्डल अध्यक्ष व मण्डल प्रभारी दो-तीन दिन में संगठन संरचना को बूथ स्तर तक पूर्ण करें हर कार्यकर्ता को अपने बूथ पर जाकर बूथ समिति कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर जाकर सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना है, तथा जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम छोर तक के व्यक्ति को पहुंचाना ही लक्ष्य है। बैठक मे मुख्यरुप से जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या, अनिल सिंह गौतम, अशोक कुमार मौर्या, रंजना सिंह, कृष्णमुरारी गुप्ता, शंम्भू नारायण सिंह, गुडिया वर्मा, कैलास बैसवार, अनूप तिवारी, सुरेश शुक्ला, दयाशंकर पाण्डेय, बीएन गुप्ता, विनय श्रीवास्तव, योगेन्द्र बिन्द, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, विमलेश चौबे, मनीष पटेल, दिलिप चौबे, राकेश मेहता, अंकुर सिंह, विजय चौहान, परशुराम केशरी, शिवनाथ जायसवाल, यादवेन्द्र द्विवेदी, विशाल गुप्ता, नार सिंह पटेल, सुनिल सिंह, संजय केशरी सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय लकड़ी हस्तशिल्प निर्यात को सुरक्षित रखने के लिए ईपीसीएच ने यूरोपियन यूनियन डीफॉरेस्टेशन रेग्युलेशन (ईयूडीआर) पर सरकारी हस्तक्षेप की मांग की

व्यापार ने शीघ्र समाधान के लिए प्रतिनिधित्व में तेजी लाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दिल्ली हस्तशिल्प निर्यातकों के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल उत्पाद मुख्यतः आम, बबूल और शीशम की लकड़ी से बनाए जाते हैं, जो कृषि वानिकी से प्राप्त होते एवं किसान कल्याण मंत्रालय से कटाई के समय भू-स्थान डेटा उपलब्ध कराने के निर्देश जारी करने

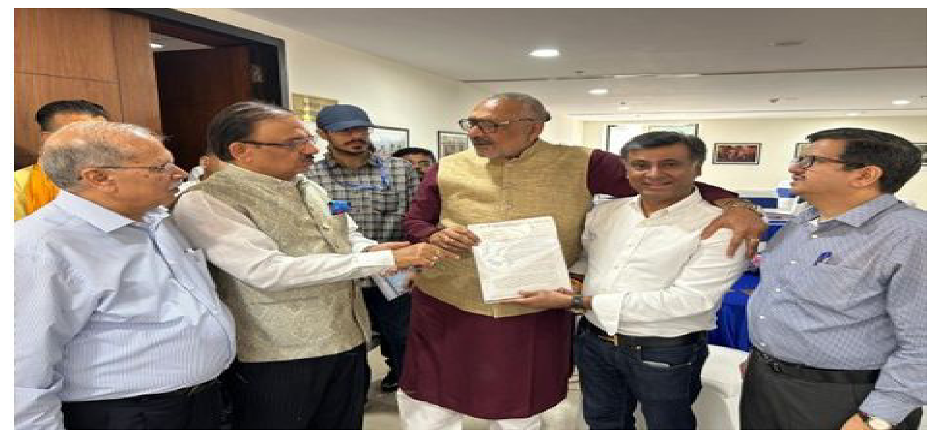

ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के उपाध्यक्ष सागर मेहता और ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; ईपीसीएच के नेतृत्व में भारत सरकार के माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह और माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह

शेखावत से मुलाकात की। इस बैठक में यूरोपियन यूनियन डीफॉरेस्टेशन रेग्युलेशन (ईयूडीआर) के अनुपालन में भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई। बैठक में ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा तथा जोधपुर के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री मनोज बोथरा, श्री राजेंद्र बंसल, श्री जे. पी. जैन, श्री आशीष मेहता, श्री गौरव जैन, श्री मनीष पुरोहित और सहारनपुर के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री परमिंदर सिंह भी उपस्थित रहे, ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले पर विस्तार से चर्चा करने के लिए उच्च स्तरीय अधिकारियों से भी मुलाकात की। ईयूडीआर के प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, 'हम यूरोपीय संघ की वनों की कटाई के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं, लेकिन ईयूडीआर के अनुपालन की आवश्यकताएं हमारे लकड़ी हस्तशिल्प निर्यातकों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। हमारे हैं और प्राकृतिक वनों की कटाई में योगदान नहीं करते।' उन्होंने आगे कहा, 'यदि इन नियमों को स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखे बिना लागू किया गया, तो इससे उत्पादन में गिरावट, ऑर्डर रद्द होने और कारीगरों व उनके आश्रितों में व्यापक बेरोजगारी हो सकती है।' नीतिगत समर्थन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. राकेश कुमार ने कहा, ' ग्रामीण, शहरी और कस्बाई भारत के लाखों कारीगरों के लिए हस्तशिल्प क्षेत्र आर्थिक रीढ़ के समान है।

ईयूडीआर लकड़ी के निर्यातकों पर समान दायित्व लागू करता है, जो भारत जैसे देशों की विशिष्ट परिस्थितियों की अनदेखी करता है। सरकार के हस्तक्षेप के बिना, ईयूडीआर के प्रावधानों का अनुपालन करना हमारे निर्यातकों के लिए बहुत मुश्किल हो सकता है।' उन्होंने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से आम, बबूल और शीशम की लकड़ी के लिए छूट की मांग करने और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से कटाई के समय भू-स्थान डेटा उपलब्ध कराने के निर्देश जारी करने की अपील की, जिससे निर्यातकों को वन-कटाई मुक्त सप्लाई चेन स्थापित करने में मदद मिले।

श्री सागर मेहता ने कहा, 'यूरोपीय संघ के वनों की कटाई नियम लकड़ी हस्तशिल्प निर्यातकों, विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) और कारीगर आधारित उद्यमों के लिए एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करते हैं। हम सतत और जिम्मेदार व्यापार का समर्थन करते हैं, लेकिन हमारे क्षेत्र की विशिष्ट प्रकृति को समझना आवश्यक है। हम सरकार और उद्योग के सहयोग से एक व्यावहारिक अनुपालन ढांचा विकसित करने की मांग करते हैं।' श्री आर. के. वर्मा ने कहा, 'ईपीसीएच हमेशा वैश्विक स्थिरता ढांचे के साथ अपने कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसका उदाहरण है 'वृक्ष'(वीआरआईकेएस एच- टिंबर लीगलिटी एसेसमेंट एंड वेरिफिकेशन स्कीम), जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रणाली है और भारतीय हस्तशिल्प सेक्टर इसका अनुपालन करता है। लेकिन जिओ-?फरेंस्ड (भू-संदर्भित) ट्रेसबिलिटी प्रणाली के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए नीति समर्थन, वित्तपोषण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। यह सामूहिक दृष्टिकोण प्रावधान अनुपालन को सुनिश्चित करेगा और भारतीय निर्यात प्रतिस्पर्धा को सुरक्षित रखेगा।'

मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन देकर बुलंद की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी अधिकारी नमिता शरण के माध्यम से भेजा गया ज्ञापन जिसमें दिनांक अध्यक्ष, राजाराम दुबे, जिला मंत्री, मनोज पांडे, कोषाध्यक्ष, बृजेश

राज्य कर्मचारी महासंघ जनपद शाखा सोनभद्र द्वारा शुक्रवार को जिलाधिकारी प्रतिनिधि के माध्यम से मुख्यमंत्री व पंचायती राज मंत्री उत्तर प्रदेश शासन व अपर मुख्य सचिव पंचायती राज उत्तर प्रदेश शासन को जिला पंचायत राज्य 6 जून 2025 को निदेशालय पंचायती राज द्वारा भेजे गए सफाई कर्मचारी के प्रस्ताव में संशोधन किए जाने के संबंध सात सूत्री मांगों को उक्त प्रस्ताव में सम्मिलित करने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन देने वाले कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष ,राकेश चौधरी, ब्लॉक मंत्री , कर्मा,राजेश मिश्रा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष विजय यादव, नंदकुमार शर्मा अरविंद गेंदालाल श्याम जगदीश गुप्ता राघवेंद्रधर द्विवेदी सहित तमाम कर्मचारी उपस्थित थे।

सपा नोएडा महिला सभा ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर चुनाव आयोग के खिलाफ किया प्रदर्शन व सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा एसआईआर प्रक्रिया को वापस लेने की मांग की। आज के

महानगर महिला सभा के द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय सेक्टर 19 पर चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया?। साथ ही साथ सिटी मजिस्ट्रेट को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। महिला सभा की अध्यक्ष शालिनी खारी ने कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा पिछड़ी जातियों के बोट सूची से हटवाने का काम किया जा रहा है साथी साथ उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में- शालिनी खारी, विकास यादव, बबलू चौहान ,संजय त्यागी,राम सहेली, बबली शर्मा, विमला,बबली ,पारुल, रेखा,सोनाली, कमलेश, कृपा शंकर यादव, महकार तंवर, हरपाल सिंह,नितिन ,आलोक वर्मा ,रंजन, रामवीर यादव, महिपाल, महेश जाटव, इंद्रजीत सिंह, राज यादव, रचना, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

फायर स्टेशन सोरांव प्रयागराज में जिला अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारियों/ सदस्यों को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक उ0 प्र0 अग्निशमन तथा आपात सेवा लखनऊ महोदय जी के आदेश के क्रम के समस्त रमईराम और फायरमैन कांस्टेबल अशोक कुमार मिश्रा द्वारा दी जा रही इस प्रशिक्षण से समिति के पदाधिकारी/सदस्य आग से बचाव और आग बुझाने में सक्षम होंगे।

फायर स्टेशन प्रशिक्षण के क्रम में फायर स्टेशन सोरांव प्रयागराज जिला अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के लिए

में जिला अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में अग्नि सुरक्षा अधिकारी और अग्नि सुरक्षा कर्मी के रूप में सात दिवसीय प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में आग से बचाव के तरीकों, आग बुझाने के उपकरणों का उपयोग, और आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करने के तरीकों के बारे में सिखाया जा रहा है। फायर स्टेशन के अनुभवी अधिकारी प्रभारी अधिकारी अग्निशमन केंद्र सोरांव प्रयागराज यह प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे वे अपने क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा को बढ़ावा देने और आग से होने वाले नुकसान को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। प्रशिक्षण के उद्देश्य- अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना, आग से बचाव के तरीकों के बारे में शिक्षित करना, आग बुझाने के उपकरणों का उपयोग सिखाना, आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करने के तरीकों के बारे में सिखाना, प्रशिक्षण उपरांत निकटम भविष्य में निजी भवनों में तैनाती का अवसर।

रवि सिंह ने थाईलैंड में जीता ब्रॉन्ज़ मेडल, डीएम एसपी ने किया सम्मानित

सोनभद्र। जिले के रेणुकूट निवासी रवि सिंह, पुत्र महामाया प्रसाद सिंह, ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का परचम लहराया है। रवि सिंह जो वर्तमान में हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के विभाग ब्वायलर को-जेनरेशन में कार्यरत हैं ने थाईलैंड के पटाया शहर में आयोजित 8वीं हीरोज़ ताइक्वांडो इंटरनेशनल चैम्पियनशिप 2025 (9-10 अगस्त) में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष वर्ग के अंडर 58 किलो भार वर्ग में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर भारत, उत्तर प्रदेश और सोनभद्र का मान बढ़ाया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विश्वभर के 32 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें रवि सिंह ने अपने अदम्य साहस और परिश्रम से विजयी उपलब्धि हासिल की।

भाजपा कार्यालय पर संगठनात्मक बैठक हुई सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र पर जिला पदाधिकारी, मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहे बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्यअतिथि अनिल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने पुष्प अर्पित कर किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी व संचालन जिला मंत्री संतोष शुक्ला ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि बूथ संरचना और जनसंवाद ही चुनावी जीत का

आधार बताया। उन्होंने मण्डल अध्यक्षों से शक्ति केन्द्रों व बूथों पर नियमित बैठकें कर संगठन को मजबूत और सक्रिय करने को कहा। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा के साथ आगामी पंचायत चुनाव पर मंत्रणा की। कहा मजबूत संगठन के बलबूते चुनावों में सरकार बनाने की तैयारी शुरू करनी होगी। हर मण्डल में संगठन नंबर वन होना चाहिए। संगठन के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ गरीबो तक पहुंचे। संगठन के माध्यम से प्रत्येक बूथ पर भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ाना है। छुटे तथा युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए घर-घर संपर्क कर मतदाता सूची अपडेट करने को कहा। यह भी कहा हमें सजग रहकर विपक्ष द्वारा लगातार फैलाएं जा रहे झूठ व फरेब का पर्दाफाश करना होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि मण्डल अध्यक्ष व मण्डल प्रभारी दो-तीन दिन में संगठन संरचना को बूथ स्तर तक पूर्ण करें हर कार्यकर्ता को अपने बूथ पर जाकर बूथ समिति बनाकर एकात्म मानववाद के लक्ष्य को पूरा करना है। हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर जाकर सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना है, तथा जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम छोर तक के व्यक्ति को पहुंचाना ही लक्ष्य है। बैठक मे मुख्यरुप से जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या, अनिल सिंह गौतम, अशोक कुमार मौर्या, रंजना सिंह, कृष्णमुरारी गुप्ता, शंम्भू नारायण सिंह, गुडिया वर्मा, कैलास बैसवार, अनूप तिवारी, सुरेश शुक्ला, दयाशंकर पाण्डेय, बीएन गुप्ता, विनय श्रीवास्तव, योगेन्द्र बिन्द, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, विमलेश चौबे, मनीष पटेल, दिलिप चौबे, राकेश मेहता, अंकुर सिंह, विजय चौहान, परशुराम केशरी, शिवनाथ जायसवाल, यादवेन्द्र द्विवेदी, विशाल गुप्ता, नार सिंह पटेल, सुनिल सिंह, संजय केशरी सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लड्डू गोपाल की धूमधाम से मनी छठी, सोढ़ के लड्डू का लगा भोग,भगवान श्री कृष्ण की छठी पर सोढ़ के लड्डू का लगा भोग, हुआ भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रीकृष्ण भगवान की छठी के अवसर पर गुरुवार की देर शाम नगर के रामलीला मैदान में स्थित बांके बिहारी मंदिर में श्री कृष्ण भगवान को भक्तों द्वारा छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया। इसके पूर्व मंदिर समिति के सदस्यों व श्रद्धालुओं द्वारा राधा कृष्ण की दिव्य आरती की गई इसके पश्चात भजन कीर्तन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से जितेंद्र कुमार सिंह, पवन जैन, प्रमोद गुप्ता, राकेश गुप्ता, आनंद मिश्रा, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। नगर के दूसरे ओर श्रीराम जानकी संकट मोचन मंदिर पर पुजारी राजकुमार पाण्डेय ने भगवान लड्डू गोपाल को सोढ़ के लड्डू का भोग लगाया और इसके पश्यात भव्य भण्डारे एवं भक्ति भजन, गीत संगीत का आयोजन हुआ। इस अवसर पर छठी की परंपरा की विशेषता बताते हुए पुजारी राज कुमार पांडेय ने बताया सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार, छठी के दिन षष्ठी देवी की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। बच्चे की रक्षक के लिए छठी मनाई जाती है। उन्होंने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के बाद छठवें दिन भगवान लड्डू गोपाल को 56 भोग व सोढ़ के लड्डू का भोग लगाने से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी होती है।इस अवसर पर डूंगरमल अग्रवाल, शशिकांत चौबे, संतोष चतुर्वेदी, दादे चौबे, शिवपूजन दुबे, शिवा पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वर्ड फ्लू नियंत्रण हेतु जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में वर्ड फ्लू नियंत्रण हेतु जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक की गयी, इस दौरान समस्त कार्यदायी विभागों यथा पशुपालन, जिला पंचायत, नगर पंचायत, पंचायती राज , ग्राम्य विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य, पुलिस प्रशासन, वन एवं पर्यावीरण सिंचाई, परिवहन, लोक निम्र्राण एवं राजस्व के साथ् के अधिकारीगण उपस्थित रहें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पर मुख्य पशु चिकित्सा अधीक्षक डा0 ए0के0 सिंह द्वारा वर्ड फ्लू नियंत्रण हेतु जनपद स्तर पर वर्ड फ्लू बीमारी की प्रवृत्ति एवं प्रभाव तथा बचाव हेतु विस्तार से सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया जाये, कुक्कुट एवं उनके उत्पाद के परिवहन पर रोक लगाने, जैव सुरक्षा चक्र अपनाने एवं वेक्टर कन्ट्रोल जैसे उपयों को अपनाने हेतु सभी सहयोगी विभागों से अपील की गयी, इसके साथ ही सभी स्थानों पर साफ-सफाई हेतु जन सहयोग की अपील की गयी। पक्षियों की मत्यु एवं बीमारी के लक्षणों पर सतत् निगरानी हेतु पशु चिकित्सक को निर्देशित किया गया। सीरम सैम्बल, नैजल, क्लोकल एवं ट्रैकियल स्वेब/नमनमूने समयान्तराल पर एत्र कर निदान प्रयोगशाला आई0वी0आर0आई0 इजलतनगर बरेली, भेजने हेतु पशु पालक को निर्देशित किया गया। बैठक में जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह,जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, डी0सी0 मनरेगा एवं पशु चिकित्साधिकारी पशुपालन उपस्थित रहें।

निर्माण के कुछ ही माह बाद उखड़ रही सड़कें बयां कर रहीं सच्चाई,भ्रष्टाचार के मकड़ जाल में उलझ कर कराह रहा प्रा.ख.लो.नि.वि. कार्यालय

अधिशासी अभियंता के करीबी बताए जा रहे तीन जेई बने चर्चा का विषय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कभी अपने गुणवत्ता युक्त कार्यो को लेकर सुर्खियां बटोरने वाला विभाग अब भ्रष्टाचार के मकड़ जाल में उलझ कर कराह रहा है। प्रांतिय खंड लोक निर्माण विभाग के द्वारा भारी भरकम बजट खर्च कर बनायी जा रहीं सड़कें महज कुछ ही साल में उखड़ जा रही हैं। मानक विहीन कराए जा रहे कार्यो के पीछे अधिशासी अभियंता के काफी करीबी बताए जा रहे तीन अवर अभियंता को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। यदि इन कार्यो की शासन स्तर पर किसी स्वतंत्र एजेंसी से उच्च स्तरीय जांच करा दी जाए तो न केवल एक बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होगा, बल्कि अधिशासी अभियंता के करीबी बताए जा रहे उक्त तीनों अवर अभियंता पर कार्रवाई की गांज गिर सकती है। कुछ वर्ष पूर्व प्रांतिय खंड लोक निर्माण विभाग के द्वारा चुर्क से धर्मदासपुर तक जाने वाली सड़क की मरम्मत करायी गई थी। सड़क मरम्मत कार्य में भारी भरकम बजट भी खर्च किया गया था, लेकिन कुछ ही माह बाद यह सड़क गड्ढ़ों में तब्दील हो गई। मार्ग पर जगह-जगह बने गड्ढ़ों में बारिश का पानी जमा होने से राहगिरों समेत स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क मरम्मत कार्य में मानकों की जमकर अनदेखी की गई थी। मानक विहीन कार्य कराए जाने से यह सड़क फिर से गड्ढ़ों में तब्दील हो गई है। मजे की बात तो यह है कि सड़क गड्ढ़ों में तब्दील होने के बाद श्रावण माह में इसकी फिर से पेंटिंग कराने का कार्य शुरू किया गया है, जो आज तक पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने बताया कि चुर्क से धंधरौल बांध होते हुए धर्मदासपुर तक जाने वाली इस सड़क से प्रतिदिन हजारों ग्रामीणों का आना-जाना होता है। सड़क पर बने गड्ढ़ों में बारिश का पानी जमा होने से रात के अंधेरे में साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए सड़क मरम्मत कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग किया है। **साहब के करीबी जेई की देखरेख में हुआ था** कार्य चुर्क से धंधरौल बांध होते हुए धर्मदासपुर तक जाने वाली सड़क की मरम्मत कार्य अधिशासी अभियंता के करीबी बताए जा रहे अवर अभियंता रवि प्रताप की देखरेख में कराए जाने की जनचर्चा है। यह जानकारी देते हुए भरोसेमंद सूत्रों ने बताया कि प्रांतिय खंड लोक निर्माण विभाग कार्यालय में तैनात रवि प्रताप, संदीप व धनेश नामक जेई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। इनकी देखरेख में जितने भी कार्य अब तक कराए गए हैं, यदि उनकी किसी स्वतंत्र एजेंसी से उच्च स्तरीय जांच करा दी जाए तो एक बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि इनके खिलाफ कई शिकायतें भी हो चुकी हैं। उधर लगाए जा रहे आरोपों के बावत जेई रविप्रताप, संदीप व धनेश से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन वे अपने कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। लिहाजा उनका पक्ष नहीं लिया जा सका। अधिशासी अभियंता से भी संपर्क न हो पाने के कारण उनका भी पक्ष नहीं लिया जा सका।

पूर्व राज्यपाल पद्म विभूषण से सम्मानित कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र नगर मंडल द्वारा गुरुवार को नगर मंडल के अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान और हिमांचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल पद्म विभूषण से सम्मानित कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उनके बताए रास्ते पर चलने का भी संकल्प लिया। भाजपा नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी को कल्याण सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उनके बताए रास्ते पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कल्याण सिंह ने विपरित परिस्थितियों के बावजूद कल्याण सिंह ने उ.प्र. जैसे विशाल प्रदेश में सुशासन की स्थापना की थी ।भाजपा नेताओं नेता अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत जी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबूजी असाधारण व्यक्तित्व के साथ अपने मूल्यों, आदर्शों पर सदैव अडिग रहे। अपनी प्रशासनिक दक्षता से उन्होंने देश और प्रदेश की राजनीति को नई दिशा प्रदान किया। कल्याण सिंह का जीवन जनता के कल्याण, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अस्मिता को समर्पित रहा। वे राजनीतिक जीवन के हर पड़ाव पर अपने सिद्धांतों के प्रति अडिग रहे और प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता की मिसाल पेश किए थे। मौके पर मुख्य रूप से भाजपा नगर मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश केसरी महामंत्री रितु अग्रहरि , पीयूष कुमार त्रिपाठी अनुपम उपाध्यक्ष सरोज केसरी राकेश सोनी धीरेंद्र पांडे अभिषेक गुप्ता आनंद जायसवाल धर्मवीर त्यागी मंडल मंत्री संतोष भारती रीता गुप्ता आलोक रावत राजकुमार चौरसिया अजय श्रीवास्तव राहुल शर्मा अनुराग सिंह बंटी रवि केसरी शक्ति केंद्र संयोजक दुर्गेश केडिया पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष नीरज विश्वकर्मा आशीष पाठक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट ने पुलिस उपाधीक्षक को किया सम्मानित,गुप्तकाशी दर्शन यात्रा एवं सावन मेला सकुशल सम्पन्न कराने पर की गई प्रशंसा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रावण मास में आयोजित गुप्तकाशी दर्शन यात्रा एवं सावन मेले को शांति और सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराने में पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट द्वारा पुलिस उपाधीक्षक रणधीर मिश्रा को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में ट्रस्ट के संस्थापक-अध्यक्ष रवि प्रकाश चौबे, वरिष्ठ समाजसेवी राकेश देव पांडे, यूथ आइकॉन सौरभ कान्त पति त्रिपाठी, प्रकाश देव पाण्डेय तथा पार्थ सारथी किरीट ने संयुक्त रूप से पुलिस अधिकारी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुप्तकाशी दर्शन यात्रा और सावन मेला लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है। श्रद्धालुओं की भीड़, कांवरियों की आवाजाही और सुरक्षा प्रबंधन एक बड़ी चुनौती थी, किंतु पुलिस उपाधीक्षकों के कुशल नेतृत्व में पूरी यात्रा और मेला सकुशल सम्पन्न हुआ। यह पुलिस प्रशासन की तत्परता और सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण है। सम्मान प्राप्त करने के बाद पुलिस उपाधीक्षक ने ट्रस्ट और स्थानीय जनमानस के प्रति आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि भविष्य में भी जनसहयोग से धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को पूर्ण सुरक्षा व शांति के साथ सम्पन्न कराया जा सके।

सुन्दरकांड मंडल और साधु संतो का कमंडल बनायेगा हिन्दू राष्ट्रः मनोज कुमार दीक्षित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बागेश्वर धाम सरकार पूज्य श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से प्रेरित होकर सोनभद्र के शिष्यों द्वारा छपका स्थित वृद्धआश्रम मे बुजुर्गों मे फल का वितरण किया गया।बागेश्वर धाम सरकार द्वारा दीक्षा प्राप्त शिष्य मनोज कुमार दीक्षित व उनके साथियों ने सयुक्त रूप से बताया की पूज्य गुरूदेव भगवान द्वारा लगातार धाम पर अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से प्रतिदिन हजारों श्रद्धांलुओं को निःशुल्क भोजन कराया जा रहा है। हमलोगो के द्वारा भी इसप्रकार का लगातार आयोजन किया जाएगा धाम पर कैंसर अस्पताल भी बनवाया जा रहा है। अब तक आप लोगो ने अस्पताल मे मंदिर देखे होंगें लेकिन मंदिर मे पहली बार अस्पताल देखने को मिल रहा है जो पूज्य बागेश्वर धाम सरकार के प्रयासों से संभव हो पाया है। सनातन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक प्रदेश के प्रत्येक जनपदो मे सुन्दर कांड मंडल का गठन किया जा रहा है। जल्द ही सोनभद्र मे भी सुन्दर कांड मंडल का गठन होगा उक्त मंडल का कार्य सनातन का प्रचार प्रसार करना होगा और व्यापक स्तर पर हो रहे धर्म परिवर्तन को रोकना है। साथ ही उन्होंने बताया कि पूज्य बागेश्वर धाम सरकार का कहना है कि सुन्दर कांड मंडल और साधु संतो का कमंडल बनायेगा हिन्दू राष्ट्र। प्रत्येक मंडल का कार्य होगा कि जाति पाति भेदभाव को जड़ से हमें मिटाना है हमें भारत भव्य बनाना है। उक्त अवसर पर पं0 नीरजानंद शास्त्री राजन चौबे, राजन पाण्डेय, आलोक तिवारी, अभिषेक पाठक, नागेन्द्र मोदनवाल, प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह, मनोज सिंह इत्यादि लोग मौजूद रहे।

वर्तमान समय में कृषकों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक खाद उपलब्ध कराने व नियमानुसार वितरण सुनिश्चित कराने हेतु जिलाधिकारी ने अधिकारियों को किये निर्देशित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी,उप निदेशक कृषि, ए0आर0 को-आपरेटिव सहकारिता, जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा है कि खाद वितरण की समस्या के निराकरण हेतु सहकारी समितियों पर लेखपाल, पुलिस विभाग, ए0आर0 को-आपरेटिव, कृषि विभाग से सम्बन्धित कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करायी जाये, उनकी देख-रेख में खाद वितरण सुनिश्चित किया जाये, खाद वितरण दुकानों का निरीक्षण भी किया जाये, उर्वरक की काला बाजारी या ओवर रेटिंग की शिकायत अगर प्राप्त होती है, तो सम्बन्धित के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। सभी सम्बन्धित अधिकारी सम्बन्धित क्षेत्रों के ग्रामों में स्थित उर्वरक खाद की बिक्री सरकारी समितियों व प्राईवेट दुकानों का भौतिक सत्यापन करें, सहकारी समितियों पर खाद का वितरण नियमानुसार सुनिश्चित किया जायें।

रोजगार महाकुंभ में 50 हजार युवाओं को मिलेंगी नौकरियॉ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी सोनभद्र ने अवगत कराया है कि शासन की मंशा के अनुरूप एवं निदेशक, सेवायोजन महोदया के निर्देश के क्रम में दिनांक 26,27 एवं 28 अगस्त 2025 को रोजगार महाकुंभ/कैंपस प्लेसमेंट इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार महाकुंभ में 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएँ जाएंगे। जिसमें देश-विदेश की कम्पनियॉ प्रतिभाग कर योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। इन विभिन्न कम्पनियॉ द्वारा इण्टरमीडिएट,

आई0टी0आई0, डिप्लोमा, स्नातक, बी0टेक, पैरामेडिकल कोर्स आदि से उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन उनके बायोडाटा व साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। साथ ही इसमें श्रमिक वर्ग, कुशल कामगार, अकुल कामगार भी प्रतिभाग कर सकते है। इस रोजगार महाकुंभ में (यू0ए0ई0), सऊदी अरब, जापान और जर्मनी जेसे देशों में भी रोजगार के पंद्रह हजार से अधिक अवसर मिलेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा स्टाल पर स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी मिलेंगी और राज्य के स्टार्टअप द्वारा अपने नवाचार प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक जॉबसीकर उत्तर प्रदेश सोयोजन विभाग के पोर्टलः https://rojgaarsangam.up.gov.in पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं व अपना जॉबसीकर के रूप में पंजीयन कर उक्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु आवेदन कर सकते है, इस कार्य हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

ससुराल आया दामाद हुआ गायब, थाने का चक्कर लगा रहे पिता, शाहगंज थाना क्षेत्र के राजपुर गांव का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस थाना का चक्कर काट रहा पीड़ित पिता नहीं मिला न्याय दर-दर भटकने को है विवश बता दें कि प्रार्थी शर्मा चौरसिया पुत्र स्व दशरथ निवासी ग्राम राजा गडवड़ा थाना हालिया मिर्जापुर के निवासी है। प्राथि के पुत्र राकेश चौरसिया कि शादी राजेंद्र प्रशाद पुत्र बुडूक निवासी राजपुर थाना शाहगंज सोनभद्र के लड़की से विगत छः वर्ष पहले हुई थी राकेश चौरसिया अपने पत्नी की विदाई हेतु बीते माह 20,7,2025 को घर से ससुराल आये। 22,7,2025 को ससुराल से लापता है जिनकी मोटर साइकिल ससुराल में खड़ी है। जिनका मोबाइल नंबर जो बंद है तथा घर से 10 हजार / रुपये लेके आये थे। जिसमें से 8 हजार / रूपये अपनी पत्नी को दिया था तथा गायब होने कि सूचना राजेंद्र प्रसाद चौरसिया द्वारा हमको नहीं बताया गया, पीड़ित पिता द्वारा शाहगंज थाने पर एप्लीकेशन देकर लग रहे न्याय की गुहार।

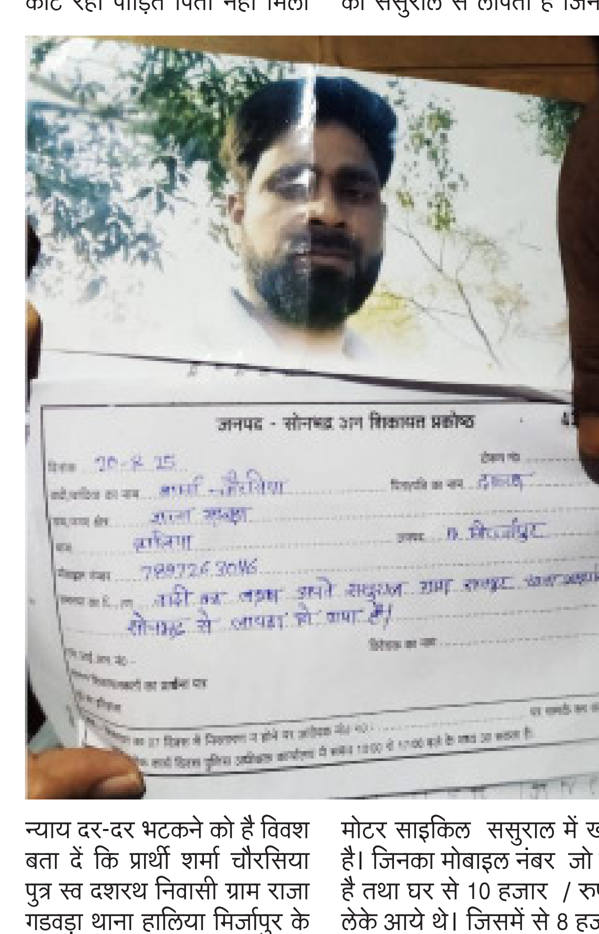

जब नौजवानो ने पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान का बिडा उठा लिया तो विधानसभा401 का वातावरण शुद्ध होकर रहेगाः संदीप मिश्रा

सोनभद्र। आज शुक्रवार को जनपद में वृक्षारोपण अभियान धीरे-धीरे अब बृहद रूप लेता जा रहा है। 'पेड़ है तो प्राण हैं' अभियान के तहत लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज रॉबट्र्सगंज विधानसभा401 के कोन, कचनरवा डणिहरा रामगढ़ सलैयाडीह किसुनपुरवा में वृक्षारोपण किया गया साथ ही उपस्थित ग्रामीणों में सैकड़ो पौधों का भी वितरण किया गया। अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा लगातार जनपदवासियों के साथ मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। धीरे-धीरे यह अभियान और बृहद होता जा रहा है। संदीप मिश्रा ने बताया कि पौधे ही हमारे प्राणवायु हैं यदि आज हम वृक्ष लगाते हैं तो हमारे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। केवल वृक्ष लगाना ही कार्य नहीं है वृक्षों को सुरक्षित करना उनकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अभियान के तहत रॉबट्र्सगंज विधानसभा में अभी तक अनेकों जगह पौधारोपण किया जा चुका है। किसुनपुरवा निवासी संघर्षी बड़े भाई सन्जय जैसवाल जी की स्मृति में पेड़ लगया गया व सलैयाडीह में कमलेश जयसवाल जी के नेतृत्व में पेड़ लगया गया व गांव में लोगों के घरों में, आंगन में स्वयं जाकर पौधारोपण कर रहे हैं साथ ही इन पौधों को बचाने का लोगों को संकल्प भी दिला रहे हैं। काफी संख्या में लोग भी अब इस अभियान में बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ जुड़ रहे हैं।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच होगा,सरकार ने इजाजत दी, कहा- मल्टीनेशन टूर्नामेंट खेलने से नहीं रोकेंगे,द्विपक्षीय सीरीज नहीं होंगी

नयी दिल्ली। 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होगा। मल्टीनेशनल इवेंट्स में पाकिस्तान, खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे। भारत को इंटरनेशनल स्पोर्ट्स इवेंट्स की था। ऐसे में मेजबान पाकिस्तान को भारत के मैच में यूएई में कराने पड़े थे और दुबई में फाइनल खेला

भारत सरकार ने गुरुवार को इसकी अनुमति दे दी है। सरकार ने कहा- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलने पर रोक नहीं है। दोनों देशों में द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी। खेल मंत्रालय के अधिकारी ने एक लेटर साझा किया, यह भारत सरकार की नई स्पोर्ट्स पॉलिसी है, जिसे गुरुवार को ही जारी किया गया है। नई खेल नीति में क्या है, 4 पॉइंट्स में समझिए- इंटरनेशनल और मल्टीनेशनल इवेंट्स (चाहे भारत में हों या विदेश में) में भारत इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के नियमों और अपने खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेगा। भारतीय टीमें और खिलाड़ी उन इंटरनेशनल इवेंट्स जैसे- कॉमनवेल्थ गेम्स, ओलिंपिक, क्रिकेट, हॉकी वर्ल्ड कप आदि में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तानी टीमें और खिलाड़ी खेलेंगे। यह ठीक वैसा ही है, जैसे भारत में होने वाले मेजबानी के लिए पसंदीदा जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों, इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के पदाधिकारियों की वीजा प्रोसेस आसान की जाएगी। इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के पदाधिकारियों को उनकी कार्यावधि की अवधि (अधिकतम 5 साल तक) के लिए प्राथमिकता के आधार पर मल्टी-एंट्री वीजा भी दिया जाएगा, ताकि वे देश में आसानी से आ-जा सकें। नई खेल नीति में भारत सरकार ने यह तो स्पष्ट किया है कि हम पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को मल्टीनेशन इवेंट्स के लिए भारत आने से नहीं रोकेंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि भारत ऐसे इवेंट्स में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएगा या नहीं। भारत ने इसी साल फरवरी-मार्च में अयोजित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से मना किया गया था। एशिया कप में सूर्या कप्तान, गिल उपकप्तान- 2 दिन पहले 19 अगस्त को बीसीसीआई ने एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। इसमें सूर्यकुमार यादव को कप्तान और शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया था।एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।दूसरा मैचः एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है। तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

दावा- एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी टीम इंडिया,ड्रीम-11 कंपनी रियल मनी कारोबार समेट रही,ऑनलाइन गेमिंग बिल पास होने के बाद फैसला

नयी दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी फैंटेसी गेमिंग कंपनी ड्रीम11 अपना रियल मनी गेमिंग कारोबार बंद करने जा रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। यह फैसला भारत सरकार द्वारा हाल ही में पास किए गए ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के बाद लिया गया है। इस बिल के तहत ऑनलाइन रियल मनी गेम्स पर पूरी तरह से पाबंदी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रीम11 की पेरेंट कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स ने यह जानकारी अपने कर्मचारियों को 20 अगस्त को एक इंटरनल टाउनहॉल मीटिंग में दी। ड्रीम11 भारतीय क्रिकेट टीम और आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट्स का प्रमुख स्पॉन्सर रहा है। ऐसे में ये भी खबरें है कि टीम इंडिया एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी।21 अगस्त 2025 को राज्यसभा ने और उससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को मंजूरी दी। इस बिल को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेश किया था। अब ये बिल राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए जाएगा और फिर ये कानून बन जाएगा।ड्रीम11 का रियल मनी गेमिंग सेगमेंट कंपनी की कुल कमाई का 67इ हिस्सा है। यानी, कंपनी की ज्यादातर कमाई फैंटेसी क्रिकेट जैसे गेम्स से आती थी। यहां यूजर्स पैसे लगाकर अपनी टीमें बनाते थे और जीतने पर कैश प्राइज पाते थे। नए बिल के तहत ये गेम्स अब गैरकानूनी हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के सीईओ हर्ष जैन ने कर्मचारियों को बताया कि नए कानून के तहत रियल मनी गेमिंग को जारी रखने का कोई कानूनी रास्ता नहीं है। इस वजह से ड्रीम11 ने अपने इस कोर बिजनेस को बंद करने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अब अपने नॉन-रियल मनी गेमिंग वेंचर्स पर फोकस करेगी। इसमें स्पोर्ट्स ड्रिप और फैनकोड शामिल है। इसके अलावा, कंपनी अपनी दूसरी इनवेस्टमेंट्स जैसे विलो टीवी और क्रिकबज को बढ़ाने और विदेशी बाजारों में विस्तार पर ध्यान देगी।इस बिल में कहा गया है कि चाहे ये गेम्स स्किल बेस्ड हों या चांस बेस्ड दोनों पर रोक लगेगी। रियल-मनी गेम्स पर रोकः कोई भी मनी बेस्ड गेम ऑफर करना, चलाना, प्रचार करना गैरकानूनी होगा। ऑनलाइन गेम खेलने वालों को कोई सजा नहीं होगी। सजा और जुर्मानाः अगर कोई रियल-मनी गेम ऑफर करता है या उसका प्रचार करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। विज्ञापन चलाने वालों को 2 साल की जेल और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।रेगुलेटरी अथॉरिटीः एक खास अथॉरिटी बनाई जाएगी, जो गेमिंग इंडस्ट्री को रेगुलेट करेगी, गेम्स को रजिस्टर करेगी और ये तय करेगी कि कौन सा गेम रियल-मनी गेम है। ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावाः पबजी और फ्री फायर जैसे ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को सपोर्ट किया जाएगा। ये गेम्स बिना पैसे वाले होते हैं इसलिए इन्हें बढ़ावा मिलेगा।सरकार का कहना है कि मनी बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग की वजह से लोगों को मानसिक और आर्थिक नुकसान हो रहा है। कुछ लोग गेमिंग की लत में इतना डूब गए कि अपनी जिंदगी की बचत तक हार गए और कुछ मामलों में तो आत्महत्या की खबरें भी सामने आईं। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग और नेशनल सिक्योरिटी को लेकर भी चिंताएं हैं। सरकार इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाना चाहती है।

मुझे ब्रेस्ट कैंसर है,अब्यूसिव पति को छोड़कर जब जीना शुरू किया तो कैंसर ने दबोच लिया, क्या जीवन अब खत्म हो गया

मुंबई। इस विषय पर हमारा ज्ञान वर्धन करेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। समझेंगे मामले को सवाल जवाब के माध्यम से- पीड़िता-मैं 46 साल की वर्किंग वुमेन हूं और रांची में एक छोटा सा रेस्त्रां चलाती हूं। सात साल पहले मेरा डिवोर्स हुआ था। उसके पहले मैं हाउस वाइफ थी। पति से अलग होने के बाद मैंने अपनी जमापूंजी और पिता की मदद से अपना रेस्त्रां शुरू किया, जो अब काफी सक्सेसफुल है। डेढ़ साल पहले पता चला कि मुझे थर्ड स्टेज ब्रेस्ट कैंसर है। उस दिन के बाद से मेरी दुनिया ही बदल गई। मैंने जिंदगी में बहुत दुख देखे, इतने साल अब्यूसिव पति के साथ रही, क्या कुछ नहीं सहा। लेकिन जब फाइनली लगने लगा था कि अब जीवन में सबकुछ ठीक है तो इस कैंसर की खबर ने मुझे तोड़ दिया। मेरी बेटी 17 साल की है। मुझ पर ढेरों जिम्मेदारियां हैं। अभी तो मैंने जीना शुरू किया है। मैं इतनी जल्दी मरना नहीं चाहती। डॉक्टर उम्मीद देते रहते हैं, लेकिन इन दिनों हर वक्त मेरे मन में सिर्फ मरने का ख्याल आता है। किसी चीज ने मुझे मानसिक रूप से इतना परेशान नहीं किया, जितना इस बीमारी ने कर दिया है। मुझे बताइए कि इस वक्त मैं कैसे पॉजिटिव रहूं, खुश रहूं। मैं खुद को कैसे ये भरोसा दूं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा।आपको हाल ही में अपने कैंसर के बारे में पता चला है। सबसे पहले, तो मैं यह कहना चाहता हूं कि मुझे इस बात का पूरा भान है कि यह खबर आपके लिए कितनी भयावह रही होगी। ऐसे में डर, भ्रम, गुस्सा और यहां तक कि नंबनेस महसूस करना भी पूरी तरह सामान्य है। ये भावनाएं उस स्थिति का हिस्सा हैं, जिसे डॉक्टर 'एडजेस्टमेंट डिसऑर्डर' कहते हैं- 'जीवन को बदल देने वाली खबर से निपटने का मन का स्वाभाविक तरीका।' लेकिन इसके साथ ही मैं ये भी कहना चाहता हूं कि कैंसर कोई ऑटोमैटिक डेथ सेंटेंस (मृत्युदंड) नहीं है। यहां मैं आपके साथ कुछ फैक्ट साझा कर रहा हूं, जो आपके डर को कम करने में मददगार हो सकते हैं। आपके दिमाग में इस वक्त क्या चल रहा है- जब भी किसी को कैंसर के बारे में पता चलता है तो उसका ब्रेन अक्सर कैटेस्ट्रॉफी मोड में चला जाता है। इसका मतलब

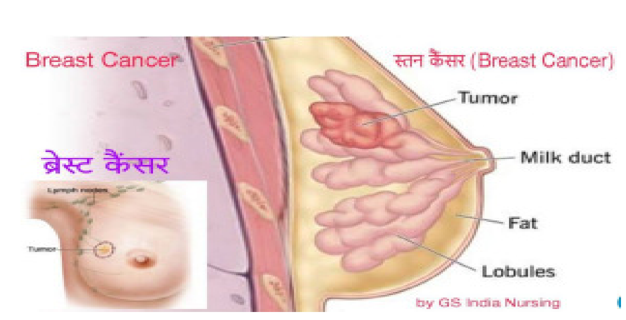

है कि इस वक्त संभवतः आपके दिमाग में कुछ ऐसे ख्याल आते होंगे- 'मेरा जीवन खत्म हो गया है।' 'मैं मरने वाली हूं।' 'अब कुछ भी पहले की तरह नहीं रहेगा।' 'इससे बुरा और कुछ नहीं हो सकता।' ये विचार सच्चे और डरावने हैं, लेकिन ये मेडिकल फैक्ट पर आधारित नहीं हैं। इन्हें कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन कहते हैं, जब हमारा दिमाग चिंता और भय की स्थिति में सबसे वर्स्ट स्थितियों की कल्पना करता है और सबसे बुरे नतीजे निकालता है। लेकिन ये बातें फैक्चुअल नहीं होतीं। यहां मैं आपको कुछ वास्तविक आंकड़े दे रहा हूं वर्ल्ड कैंसर सरवाइवल रेट- ब्रेस्ट कैंसरः 100 में से 91 लोग कम-से-कम 5 साल जीवित रहते हैं। प्रोस्टेट कैंसरः 100 में से 98 लोग कम-से-कम 5 साल जीवित रहते हैं कोलोरेक्टल कैंसरः कुल मिलाकर 100 में से 65 लोग कम-से-कम 5 साल जीवित रहते हैं (अगर समय पर पता चल जाए तो 100 में से 90 लोग।) लंग कैंसरः 100 में से 25 लोग कम-से-कम 5 साल जीवित रहते हैं (अगर समय पर पता चल जाए तो 100 में से 61 लोग)। भारत में कैंसर सरवाइवल रेट- भारत में कैंसर सरवाइवल का रेट कई तथ्यों पर निर्भर करता है, जैसे कैंसर टाइप, कैंसर की स्टेज, हेल्थ केयर सुविधा और व्यक्ति की सामाजिक-आर्थिक स्थिति। फिर भी हाल के कुछ आंकड़े काफी उत्साहजनक हैं। भारत में ब्रेस्ट कैंसर सरवाइवल रेट- औसतन 60 से 70फीसदी लोग 5 साल तक जीवित रहते हैं। अगर कैंसर का पता जल्दी चले तो सरवाइवल रेट 85-90फीसदी हो सकता है। कैंसर का असर मन पर- जैसाकि ऊपर दिए आंकड़ों से जाहिर है कि कैंसर होने का मतलब जीवन का अंत नहीं है। लेकिन चूंकि यह एक गंभीर बीमारी है तो इसका जितना असर शरीर पर पड़ता है, उससे कहीं ज्यादा मन पर भी पड़ता है। अक्सर लोग बीमारी से ज्यादा उसके इमोशनल इफेक्ट और नेगेटिव सोच से प्रभावित होते हैं। यह भी साइंटिफिकली प्रूवेन बात है कि हमारे मन, दिमाग, सोच और इमोशनल स्टेट का असर रिकवरी पर पड़ता है। इसलिए पॉजिटिव रहना, अपने मन को मजबूत रखना और साइंटिफिक तरीके से सिर्फ फैक्ट्स को देखना जरूरी है। चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लान पहला सप्ताह- अपने डरावने ख्यालों को चुनौती देना, लक्ष्यः भयावह सोच को रिएलिस्टिक सोच से बदलना, डेली टास्क : मन में आने वाले हर डरावने ख्याल को डायरी में नोट करना। जब भी आपके मन में कैंसर के बारे में कोई डरावना विचार आए तो उसे डायरी में लिखें और खुद से पूछें- वह विचार क्या है? (उदाहरणः 'मैं मरने वाली हूं।') इस विचार को सपोर्ट करने वाला एविडेंस क्या है? (आमतौर एविडेंस बहुत कम होता है।) इस विचार को गलत साबित करने वाले एविडेंस क्या हैं? (सरवाइवल डेटा, एडवांस ट्रीटमेंट फैसिलिटी आदि।) अगर मेरे सबसे अच्छे दोस्त के मन में यह विचार आए, तो मैं उससे क्या कहूंगी? इसके बारे में सोचने का ज्यादा बैलेंस्ड तरीका क्या है? उदाहरणः डरावना विचारः 'मेरा जीवन खत्म हो गया है।' बैलेंस्ड विचारः 'मेरा जीवन बदल रहा है, और मुझे डर लग रहा है, लेकिन कैंसर से पीड़ित कई लोग ट्रीटमेंट के समय और उसके बाद भी खुशहाल जीवन जीते हैं।' दूसरा सप्ताहः अपने दिमाग को शांत करना- लक्ष्यः एंग्जाइटी को कम करना और प्रेजेंट मॉमेंट में मन को शांत और खुश रखना डेली टास्क- 5 मिनट ब्रीदिंग एक्सरसाइजः 4 तक गिनते हुए सांस अंदर लें, 4 गिनने तक सांस को रोके रहें, फिर 6 तक गिनते हुए सांस बाहर छोड़ें। बॉडी स्कैनः शवासन की अवस्था में लेट जाएं और अपने शरीर के हरेक हिस्से पर ध्यान दें। पैर की उंगलियों से लेकर सिर तक हर हिस्से को महसूस करें। ग्राउंडिंग तकनीकः अपने आसपास देखें और इन चीजों का नाम लें- 5 चीजें जिन्हें आप देख सकती हैं। 4 चीजें जिन्हें आप छू सकती हैं। 3 चीजें जिन्हें आप सुन सकती हैं। 2 चीजें जिन्हें आप सूंघ सकती हैं। 1 चीज जिसे आप चख सकती हैं। ये एक्सरसाइज क्यों करेंः आप कैंसर होने को कंट्रोल नहीं कर सकती हैं, लेकिन आप ये जरूर कंट्रोल कर सकती हैं कि आप कितना वक्त कैंसर के बारे में सोचते हुए, उसकी चिंता, डर और घबराहट में बिताएंगी। तीसरा सप्ताहः जीवन को दोबारा खुलकर जीना। लक्ष्यः कैंसर से लड़ते हुए भी मीनिंफुल काम करते रहना डेली टास्कः हर दिन कोई भी एक छोटी एक्टिविटी करें, जिसमें आपको खुशी मिलती हो। जैसेः कोई किताब पढ़ना। कोई पसंदीदा फिल्म देखना। अपनी किसी फेवरेट वेब सीरीज का एक एपिसोड देखना। किसी ऐसे व्यक्ति से बात करना, जो आपकी परवाह करता हो। रोज कुछ हल्की-फुल्की फिजिकल एक्टिविटी करना, जैसे थोड़ा सा वॉक, या थोड़ी सी स्ट्रेचिंग। (डॉक्टर की सलाह पर।) अपनी भावनाओं को राइटिंग, आर्ट या म्यूजिक के माध्यम से व्यक्त करना। याद रखेंः आप अभी भी वही इंसान हैं, जो कैंसर डायग्नोसिस के पहले थीं। कैंसर सिर्फ आपको हुआ है, आप वो नहीं हैं। चौथा सप्ताहः भविष्य की ओर उम्मीद से देखना लक्ष्यः अपने लिए रिएलिस्टिक लक्ष्य तय करना, जीवन के हर अनुभव में अर्थ ढूंढना। डेली टास्कः अपने लिए हर दिन एक छोटा सा लक्ष्य तय करें। कुछ ऐसा जिसे आसानी से पूरा किया जा सके। उन चीजों के बारे में सोचें, जो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इस बारे में सोचें कि आपका यह अनुभव कैसे दूसरों के काम आ सकता है। एक 'होप लिस्ट' बनाएं- वे चीजें जो कैंसर का ट्रीटमेंट पूरा होने के बाद आप करना चाहती हैं।1. फैक्ट्स पर ध्यान दें, डर पर नहीं जब भी आपका मन सबसे बुरी स्थितियों के बारे में सोचे, तो खुद को जीवित रहने के आंकड़े याद दिलाएं। उन्हें प्रिंट करके अपने पास रखें। 2. एक दिन में सिर्फ उस दिन के बारे में सोचें यह सोचने की बजाय कि 'मुझे जीवन भर कैंसर रहेगा,' यह सोचें कि 'आज मैं अपना ध्यान रख रही हूं और अपने ट्रीटमेंट प्लान को फॉलो कर रही हूं।' 3. अपनी सपोर्ट टीम बनाएं भरोसेमंद दोस्तों और फैमिली को बताएं कि आपको क्या चाहिए। कैंसर सपोर्ट ग्रुप जॉइन करें (ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से)। काउंसिलिंग लेने पर विचार करें- यह कमजोरी नहीं, ताकत की निशानी है। 4. जो महत्वपूर्ण है, उससे जुड़ाव बनाए रखें अपने पसंद के काम करती रहें। अपने रिश्तों से जुड़ी रहें। कट-ऑफ न करें। अपना सेंस ऑफ ह्यूमर को बनाए रखें - हंसी वाकई दवा है।5. हर छोटी जीत का जश्न मनाएं - ट्रीटमेंट का हरेक स्टेप पूरा होने के बाद उसे सेलिब्रेट करें। चाहे जो भी हो जाए, खुद को व्यस्त रखने और एक अच्छा दिन बिताने की कोशिश करें। अपने हर अनुभव को लिखें। सोचें कि कल को कैसे ये अनुभव दूसरों के काम आ सकते हैं। प्रोफेशनल मदद लेना कब जरूरी है अमूमन अपनी विल पावर और परिवार की मदद से बीमारी से लड़ना और उबरना आसान होता है। लेकिन कुछ स्थितियों में प्रोफेशनल हेल्प लेना भी जरूरी हो जाता है। नीचे ग्राफिक में कुछ पॉइंट्स दिए हैं। अगर आप इनमें से कोई भी सिम्पटम महसूस करें तो तुरंत प्रोफेशनल हेल्प लें।अंत में मैं आपसे सिर्फ ये कहना चाहता हूं कि आपका डर और चिंता स्वाभाविक है। लेकिन याद रखिए, आपसे पहले हजारों लोग इस राह से गुजरकर जा चुके हैं। उन्होंने न सिर्फ कैंसर से लड़कर उसे मात दी, बल्कि अब वो एक मीनिंगफुल, खुशहाल जिंदगी भी जी रहे हैं। आपके पास भविष्य की ओर उम्मीद से देखने का हर कारण है। सबसे बड़ी बात ये कि आपके भीतर वो हिम्मत और ताकत है कि आप मुश्किल का मुकाबला कर सकती हैं। अपने ट्रीटमेंट प्लान को फॉलो करें और याद रखें कि ये अध्याय आपके जीवन का आखिरी अध्याय नहीं है। इसके बाद और बहुत से नए अध्याय लिखे जानें हैं,

क्रीम बिस्किट में क्रीम नहीं, केमिकल होता है,बढ़ता डायबिटीज,हार्ट डिजीज और कैंसर का जोखिम, छोटे बच्चों को न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत में क्रीम बिस्किट खूब खाए जाते हैं। इनमें हानिकारक ट्रांस फैट और केमिकल मिलाए जाते हैं। बिस्किट्स के बीच भरी हुई मीठी क्रीम जितनी स्वादिष्ट लगती है, उतनी ही नुकसानदेह भी है। ये बिस्किट्स, जो अक्सर खाने के बाद मीठे में या शाम की चाय-कॉफी के साथ खाए जाते हैं, हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये बच्चों के लिए अधिक नुकसानदायक हैं, क्योंकि उन्हें इन बिस्किट्स की लत लग जाती है। जिस क्रीम के नाम पर इन बिस्किट्स को क्रीम बिस्किट कहकर बेचा जा रहा है, असल में वह क्रीम नहीं है। यह एक नकली नॉन-डेयरी मिश्रण होता है। इन्हें बनाने के लिए सस्ते और खतरनाक केमिकल्स इस्तेमाल होते हैं। ये दिल की बीमारी, मोटापा और बच्चों

की ग्रोथ से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। जानेंगे कि- इसमें मिला ट्रांस फैट कितना नुकसानदायक है? इसकी जगह क्या खा सकते हैं? बिस्किट के बीच में जो मीठी चीज लगी होती है, वह क्रीम नहीं होती है। यह कई सस्ते केमिकल्स और ट्रांस फैट से बनी चीज होती है। इसमें कोई पोषक तत्व नही होता है। इससे सेहत को सिर्फ नुकसान होते हैं।बिस्किट के बीच में लगी क्रीम बनाने के लिए कई अनहेल्दी चीजों का इस्तेमाल होता है। क्रीम जैसी दिख रही चीज को बनाने के लिए वेजिटेबल फैट का इस्तेमाल होता है। इसे मीठा बनाने के लिए शुगर सिरप मिलाया जाता है। इसके बाद इसमें स्वाद बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल फ्लेवर मिलाए जाते हैं। ऐसी कई चीजें मिलाने के बाद सबसे आखिर में प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं, ताकि इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ जाए। क्रीम बिस्किट में सबसे नुकसानदायक चीजों में से एक ट्रांस फैट है। आमतौर बिस्किट की क्रीम बनाने के लिए इस्तेमाल हुए वनस्पति घी में खूब सारा ट्रांस फैट होता है। ट्रांस फैट्स से शरीर में एलडीएल यानी 'खराब' कोलेस्ट्रॉल को बढ़ता है और एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल घटता है। इससे हार्ट अटैक या दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है। अगर ट्रांस फैट का सेवन लंबे समय तक किया जाए तो शरीर में इन्फ्लेमेशन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और टाइप-2 डायाबिटीज जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है।ट्रांस फैट बच्चों के लिए अधिक खतरनाक होता है। इससे पेट और कमर के आसपास मोटापा बढ़ता है, लिवर की बीमारियां बढ़ सकती हैं। बच्चों की ग्रोथ में देरी का कारण बन सकता है। यहां तक कि यह पाचन तंत्र और आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को भी नुकसान पहुंचाता है, जिससे पाचन बिगड़ता है और इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। शुगर सिरप के नुकसान- ब्लड ग्लूकोज लेवल तेजी से बढ़ाता है, जिससे इंसुलिन स्पाइक होता है। इससे ओबिसिटी बढ़ती है और मेटाबॉलिक सिंड्रोम हो सकता है। फ्रुक्टोज से लिवर में फैट जमा होता है और फैटी लिवर डिजीज हो कती है। डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है।कुछ फ्लेवरिंग एजेंट्स जैसे डायएसिटाइल से न्यूरोलॉजिकल नुकसान हो सकते हैं। बच्चों में हाइपरएक्टिविटी, चिड़चिड़ापन और एडीएचडी जैसे लक्षण दिख सकते हैं।शरीर में एलर्जिक रिएक्शन और इम्यून रिस्पॉन्स कमजोर हो सकता है।कई आर्टिफिशियल रंगों को कार्सिनोजेनिक माना जाता है। बच्चों में कॉन्संट्रेशन की कमी और हाइपरएक्टिविटी की कमी हो सकती है। लिवर और किडनी पर टॉक्सिक प्रभाव हो सकते हैं। कुछ लोगों में स्किन एलर्जी और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।पेट

में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया प्रभावित होते हैं। इससे आंतों में सूजन और लीकी गट सिंड्रोम हो सकता है। मूड डिसऑर्डर और ऑटो-इम्यून डिजीज हो ससकती है। शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया को गलत दिशा में मोड़ सकते हैं। बीएचए और बीएचटी जैसे प्रिजर्वेटिव्स से कैंसर हो सकता है। सोडियम बेंजोएट से विटामिन सी मिलता है तो बेंजीन नामक कैंसरजनक तत्व बना सकता है। बच्चों में

व्यावहारिक बदलाव, चिड़चिड़ापन हो सकती है। इनके कारण एकाग्रता की कमी हो सकती है। लिवर और किडनी पर बोझ बढ़ाता है।क्रीम बिस्किट खाने से सिर्फ मोटापा नहीं बढ़ता है, बल्कि इनमें ऐसे एडिटिव्स यानी रासायनिक तत्व होते हैं जो धीरे-धीरे शरीर में जमा हो सकते हैं। इनसे एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं।क्रीम बिस्किट खाना सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि यह गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इन बिस्किट्स में चीनी, मैदा और हानिकारक फैट ज्यादा होता है, जबकि फाइबर और पोषण की मात्रा बहुत कम होती है। इस वजह से ये किसी नशे जैसे हो जाते हैं और लोग इन्हें ज्यादा मात्रा में खा लेते हैं। धीरे-धीरे इससे मोटापा, इंसुलिन रेसिस्टेंस और फैटी लिवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यहां तक कि किशोरों यानी टीनएजर्स को भी ये समस्याएं हो सकती हैं।ऐसे प्रोसेस्ड फूड्स में बहुत कैलोरी ज्यादा होती है, लेकिन जरूरी पोषण नहीं होता है। इनमें मौजूद रिफाइंड शुगर और सिंथेटिक तत्व मेटाबॉलिक सिंड्रोम, हार्ट से जुड़ी दिक्कतों और ऑटोइम्यून बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, ये फूड्स शरीर के हार्मोन्स को भी बिगाड़ देते हैं। खासकर किशोरों में हार्मोनल असंतुलन और थायरॉइड जैसी समस्याएं जंक फूड्स की वजह से देखने को मिल रही हैं, क्योंकि उनका पोषण ठीक नहीं होता और वे लगातार ऐसे फूड खाते रहते हैं।क्रीम बिस्किट्स के बजाय कुछ हेल्दी विकल्प हो सकते हैं। इनके बदले में साबुत अनाज या बाजरे से बने कुकीज, नट बटर जैसे मूंगफली या बादाम से बने स्नैक्स या खजूर और मेवे की बार्स खा सकते हैं। घर पर बनी ओट कुकीज, जिन्हें केले, नारियल तेल और ड्राई फ्रूट्स से बनाया जाए, एक बेहतरीन विकल्प हैं। कुछ हेल्दी स्नैक्स जैसे- मूंग खाखरा, भुना चना, मखाना और सीड्स या नट्स से बने क्रैकर्स खा सकते हैं। राजगिरा या मुरमुरे की चिक्की भी अच्छा विकल्प हो सकती है, बशर्ते इसे कम-से-कम सामग्री के साथ तैयार किया गया हो। क्रीम बिस्किट स्वाद में मीठे जरूर होते हैं, लेकिन सेहत के लिए मीठे नहीं होते हैं। पेरेंट्स और सभी लोग खाने की चीजों का इंग्रीडिएंट लेबल जरूर पढ़ने चाहिए और जब भी मीठा खाने का मन हो तो प्राकृतिक और कम प्रोसेस्ड स्नैक्स को प्राथमिकता दें।

विमेंस वर्ल्ड कप के शेड्यूल में बदलावःबेंगलुरु में होने वाले मैच मुंबई में खेले जाएंगे; ओपनिंग मैच भी शामिल

नयी दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 30 सितंबर से भारत में होने वाले विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के शेड्यूल में बदलाव किया है। गुरुवार को जारी नए शेड्यूल के अनुसार,

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैचों को नवी मुंबई स्थित डी वाई पाटिल स्टेडियम में शिफ्ट किया गया है। इनमें भारत और श्रीलंका के बीच ओपनिंग मैच और दूसरा सेमीफाइनल जैसे मैच शामिल हैं। कर्नाटक सरकार ने वहां के स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को मैच कराने की मंजू।री नहीं दी। आरसीबी की विक्ट्री सेरेमनी में मची भगदड़ के बाद जांच करने वाले जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए ठीक नहीं माना था। इससे पहले 11 अगस्त से शुरू होने वाली घरेलू टी-20 लीग महाराजा ट्रॉफी को मैसूर शिफ्ट कर दिया गया। इससे विमेंस वर्ल्ड कप के मैचों और 2026 में यहां आईपीएल मैचों की मेजबानी पर भी सवाल खड़े हो गए। जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग ने कहा था-'32,000 दर्शकों की क्षमता वाला एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम, जो सिर्फ 17 एकड़ में फैला है, बड़े आयोजनों के लिए ठीक नहीं है। आयोग ने सलाह दी थी कि ऐसे मैचों को ज्यादा जगह और बेहतर सुविधाओं व पार्किंग वाले स्थानों पर कराया जाए।' आईसीसी ने मुंबई को वर्ल्ड कप की मेजबानी का 5वां वेन्यू बनाया है। पहले बेंगलुरू 5वां वेन्यू था। टूर्नामेंट में 28 लीग और 3 नॉकआउट मैच होंगे। संशोधित शेड्यूल के अनुसार, मुंबई, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाकिस्तान के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को मुंबई में होगा। फाइनल 2 नवंबर को नवी मुंबई या कोलंबो में खेला जाएगा।पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं।

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों

पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दवाब बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे

अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह के नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था। लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी।बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी। ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी

हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कड़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

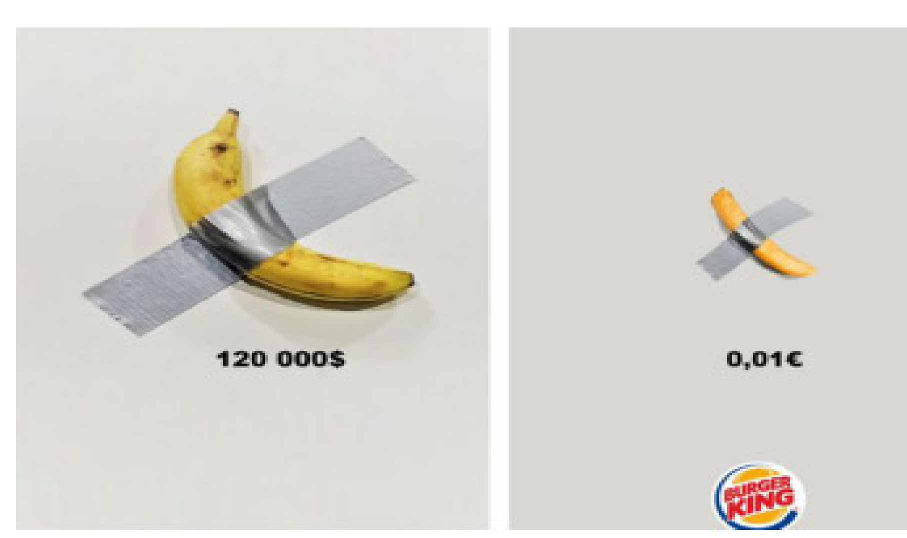

एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां कीं। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन

करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते

हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी विपक्ष के उपराष्ट्रपति कैंडिडेट,सुप्रीम कोर्ट में जज रह चुके, एनडीए के सीपी राधाकृष्णन से मुकाबला

नयी दिल्ली। I.N.D.I.A ने सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया

है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दोनों 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब कभी लोकतंत्र और संविधान खतरे में आता है, विपक्ष उसे बचाने के लिए एकजुट हो जाता है। I.N.D.I.A दलों ने एक साझा उम्मीदवार रखने का फैसला किया है, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। मुझे खुशी है कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर सहमत हुए हैं। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने कहा कि आम आदमी पार्टी भी हमारे फैसले से सहमत है और जल्द ही वह अपने समर्थन की घोषणा करेगी।लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था। 6 स्टेप में चुना जाता है उपराष्ट्रपति- सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती हैः उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य (सांसद) शामिल होते हैं। राज्यसभा में 233 निर्वाचित सांसद और 12 नामांकित सांसद हैं। लोकसभा में 543 सांसद हैं। यानी कुल सांसदों की संख्या 788 है। मौजूदा समय में राज्यसभा में 5 और लोकसभा में एक सीट खाली है। इसलिए निर्वाचक मंडल में यह संख्या 782 होगी। इस तरह उपराष्ट्रपति चुनाव जीत में 391 सांसदों (50फीसदी) के समर्थन की जरूरत होगी। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचनाः चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त को कैंडिडेट नामांकन वापस ले सकता है। नामांकन के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरीः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए। सांसद ही मतदाता, इसलिए प्रचार सीमितः चुनाव में केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता हैः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्टः मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी।

राजस्थान के सवाईमाधोपुर में बाढ़, 250 घर डूबे,गुजरात में टैंकर बहा, इस पर सवार 13 लोगों का रेस्क्यू; जम्मू में स्कूल बिल्डिंग पर लैंडस्लाइड

नयी दिल्ली। राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को 4 जिलों

(उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़) में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सवाई माधोपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। पल्ली पार इलाके में करीब 250 घर पानी में डूब गए। उधर गुजरात के पोरबंदर जिले में बारिश के बाद माधवपुर घेड इलाके में जलभराव हो गया। दूध का टैंकर बह गया। उसमें फंसे 13 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने बचाया। वहीं जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी सेक्टर में लैंडस्लाइड के चलते एक स्कूल का हिस्सा टूट गया। मौसम विभाग ने हिमाचल में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे समेत कुल 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। इसके अलावा 281 ट्रांसफॉर्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं।राज्य में अब-तक 2282 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा 149 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 38 लापता हैं। राज्य में सामान्य से 17फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है।राजधानी दिल्ली में यमुना खतरे के निशान के करीब है। नदी के किनारे बसे कई निचले इलाकों में पानी पहुंच चुका है। बाढ़ प्रभावित इलाकों के निवासियों के लिए मयूर विहार में राहत शिविर बनाया गया है।उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में बनी आर्टिफिशियल झील का पानी जल्द से जल्द कम करने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य,पुलिस और लोक निर्माण विभाग की टीमों समेत तमाम एजेंसियां ??मौके पर मौजूद हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि घबराने की जरूरत नहीं है। लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। झील का पानी कम करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियां ??भी मौके पर मौजूद हैं। हालात ठीक होते ही झील का पूरा पानी निकालने की कोशिश की जाएगी।उत्तरकाशी के स्यानीचट्टी में यमुना नदी पर एक आर्टिफिशियल लेक बनने से नदी का पानी रिहायशी इलाके में पहुंच गया है। जिला प्रशासन झील पर ड्रोन के जरिए नजर रख रहा है।गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि कल शाम 4.30 बजे सूचना मिली कि स्यानाचट्टी के पास यमुना नदी घाटी में मलबे के कारण एक आर्टिफियल लेक झील बन गई है। अभी तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं

हुई है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। पानी निकालने के प्रयास जारी हैं। कल से जलस्तर में एक मीटर की कमी आई है।सवाई माधोपुर, टोंक, कोटा और भीलवाड़ा में तेज बारिश जारी है। सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर पानी भरने से पटरी डूब गई। वहीं सवाई माधोपुर के कुशालीदर्रा स्थित नेशनल हाईवे-552 पर तेज बहाव में कार बह गई। कार में सवार तीन लोग भी बह गए। इनमें से एक व्यक्ति का शव निकाल लिया है।मध्य प्रदेश के 18 जिलों में आज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, श्योपुर, नीमच और मंदसौर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। अगले 24 घंटे में यहां साढ़े 8 इंच तक पानी गिर सकता है। गुरुवार को हुई बारिश के बाद नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 में से 7 गेट खोल दिए गए। हरियाणा में 9 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह और पलवल शामिल है। इस सीजन सामान्य से अधिक बारिश के कारण कुरुक्षेत्र में मारकंडा नदी का जलस्तर 26 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया है। नैसी गांव के पास तो तटबंध टूटने से खेतों में पानी भर गया है।

बेगूसराय में पीएम ने किया 6 लेन ब्रिज का उद्घाटन,नीतीश कुमार के साथ पुल पर घूमे, गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया

गयाजी। पीएम ने बेगूसराय

में गंगा नदी पर बने 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का

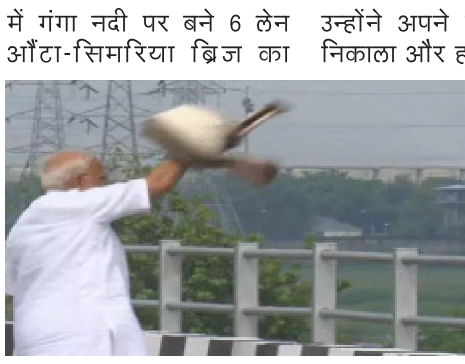

उद्घाटन किया। नीतीश कुमार के साथ प्रधानमंत्री पुल पर घूमे। उन्होंने अपने गले से गमछा निकाला और हाथ से घुमाकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। ब्रिज के नीचे बने घाट पर प्रधानमंत्री के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे। पीएम को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी घाटों पर नजर आई। प्रधानमंत्री करीब 37 मिनट तक ब्रिज पर रुके। इससे पहले गयाजी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में अपने 34 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। आतंकवाद और घुसपैठ पर भी बात की। पीएम ने कहा- 'हम घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे। इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे। कांग्रेस-RJD घुसपैठियों के साथ खड़े हैं।' 'पहले जेल में बैठकर लोग फाइलों पर साइन करते थे। हम ऐसा बिल लेकर आए हैं, जिसके दायरे में पीएम भी है। गिरफ्तारी होते ही पद जाएगा।' 'पहले बिहार में शाम को कहीं आना-जाना मुश्किल था। गयाजी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। न शिक्षा थी, न रोजगार था।

बिहार की कितनी पीढ़ियों को इन लोगों ने पलायन के लिए मजबूर किया।' पीएम ने कहा- 'जिसने पाप किया है, वो अपने पाप को दूसरों से छिपाता है, लेकिन खुद तो जानते हैं कि उन्होंने क्या किया है। कोई बेल पर बाहर है, कोई रेल के खेल में कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं।' 'ये लोग कानून का विरोध कर रहे हैं। ये लोग मोदी को भांति-भांति की गाली दे रहे हैं। बाबा साहेब ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि सत्ता के भूखे लोग भ्रष्टाचार करेंगे और कुर्सी से चिपके रहेंगे। अब भ्रष्टाचारी जेल भी जाएगा और कुर्सी भी जाएगी।'

यूपी के बैंकों में 7200 करोड़ रुपये लावारिस! रकम आरबीआई के पास ट्रांसफर, कहीं आप तो दावेदार नहीं ?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बैंकों

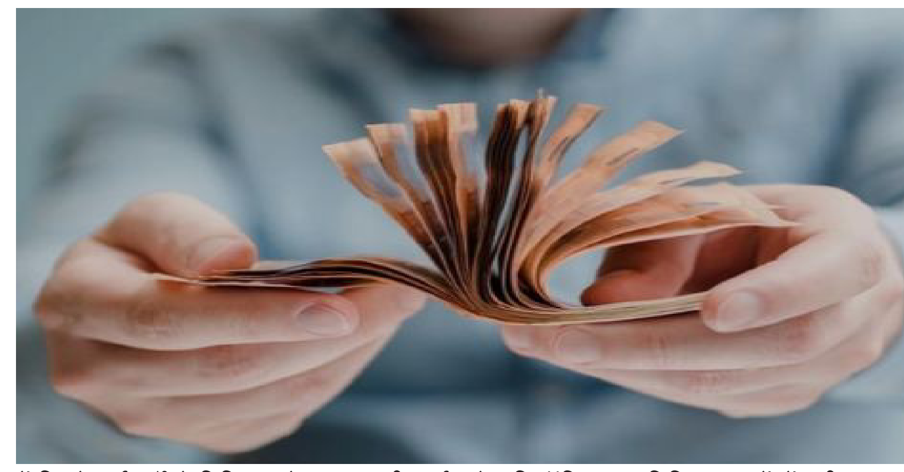

में पिछले कई वर्षों से निष्क्रिय पड़े खातों में जमा 7200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लावारिस पड़ी है। इन खातों में पिछले 10 सालों से कोई लेन-देन नहीं हुआ है, जिसके कारण बैंकों ने इस राशि को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में ट्रांसफर कर दिया है। अब इस धनराशि को वैध दावेदारों तक पहुंचाने के लिए बैंकों ने व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है।जानकारी के अनुसार, इन निष्क्रिय खातों में बड़ी संख्या में ऐसे खाते शामिल हैं जिनके खाताधारकों की मृत्यु हो चुकी है। कई मामलों में खातों के साथ नामिनी (वारिस) का विवरण भी दर्ज नहीं है। इसके अलावा, परिजनों को बैंकिंग नियमों की जानकारी न होने के कारण यह राशि दावेदारों तक नहीं पहुंच पाई है। उत्तर प्रदेश में करीब 2.81 करोड़ उपभोक्ताओं के खातों में यह रकम लावारिस पड़ी थी, जो अब आरबीआई के पास सुरक्षित है।बैंकों ने इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता शिविर शुरू किए हैं, जो 30 सितंबर तक चलेंगे। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने, केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने, और दावा प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति निष्क्रिय खाते पर दावा करता है, तो उसे बैंक में आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इसके बाद बैंक केवाईसी अपडेट करेगा और खाते को सक्रिय करने के लिए आरबीआई को पत्र भेजेगा। प्रक्रिया पूरी होने पर कानूनी वारिस को राशि वापस मिल जाएगी।

आपके अधिकार- फूड सेफ्टी आपका कानूनी हक है,नकली और मिलावटी फूड पर कैसे लें एक्शन, क्या कहता है कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट

नयी दिल्ली। हम जो खाना खाते हैं, वह सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि हमारी सेहत पर भी असर डालता है। भारत में खाने-पीने की चीजों की निगरानी का जिम्मा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) संभालती है। इसका काम यह

Safe & Nutritious Food
A Shared Responsibility

सुनिश्चित करना है कि हमें मिलने वाला खाना साफ, सुरक्षित और नियमों के मुताबिक हो। फिर भी कई बार बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खराब, नकली या एक्सपायरी फूड मिल जाता है, जो सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम खाने को लेकर सजग रहें और अपने अधिकार भी जानें, ताकि कोई गलती दिखे तो सही जगह शिकायत कर सकें। जानेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- रवि रंजन मिश्रा, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट से। सवाल- फूड सेफ्टी क्या है? जवाब- फूड सेफ्टी यानी ऐसा खाना जो हमारी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। इसमें साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए, खाना सुरक्षित और सेहतमंद हों, उनके निर्माण और बिक्री पर नियम हों और लोगों को साफ-सुथरा खाना मिले। एफएसएसएआई एक्ट साफ बताता है कि कोई भी कंपनी ऐसा खाना नहीं बेच सकती जो सेहत को नुकसान पहुंचाए। कंपनियों की जिम्मेदारी है कि वे खाने में मिलावट न करें और पैकिंग पर सही जानकारी लिखें। अगर किसी खाने-पीने की चीज में मिलावट पाई जाती है या उस पर झूठी जानकारी लिखी होती है तो ग्राहक कानूनन कार्रवाई करा सकता है। इसकी शिकायत एफएसएसएआई या कंज्यूमर फोरम में की जा सकती है। सवाल- अगर मुझे खराब या मिलावटी खाना मिले तो क्या कर सकता हूं? जवाब- अगर किसी होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा या दुकान से खराब, सड़ा-गला या मिलावटी खाना मिलता है तो आप केवल नाराज होने तक सीमित न रहें। आप इसकी आधिकारिक शिकायत कर सकते हैं। इसके

FOOD SAFETY

लिए सरकार ने एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) और नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन जैसी संस्थाएं बनाई हैं, जहां आप ऑनलाइन, फोन या एप के जरिए

Food Safety and Standards Authority of India

शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत के बाद दोषी पाए जाने पर दुकानदार या मैन्युफैक्चरर पर जुर्माना या लाइसेंस रद्द करने जैसी सख्त कार्रवाई भी हो सकती है। इसलिए उपभोक्ता होने के नाते सजग और जागरूक रहना बेहद जरूरी है।सवाल- दुकान या रेस्टोरेंट के पास एफएसएसएआई लाइसेंस है या नहीं, यह कैसे पता करें? जवाब- हर दुकान, रेस्टोरेंट या पैक्ड फूड पर 14 अंकों का एफएसएसएआई नंबर लिखा होता है। ये लाइसेंस नंबर होता है, जो बताता है कि दुकान या रेस्टोरेंट फूड सेफ्टी के नियमों का पालन कर रहा है या नहीं। आप इस नंबर को

एफएसएसएआई की वेबसाइट या उनके मोबाइल एप 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' में डालकर चेक कर सकते हैं। अगर कोई दुकान या रेस्टोरेंट यह नंबर नहीं दिखाता तो वहां से खाना लेना सुरक्षित नहीं है। सवाल- 100फीसदी शुद्ध का दावा करने वाल प्रोडक्ट्स पर भरोसा किया जा सकता है? जवाब- एफएसएसएआई नियमों के मुताबिक कोई भी फूड ब्रांड ऐसा दावा नहीं कर सकता, जिससे उपभोक्ता को गुमराह किया जाए। '100फीसदी शुद्ध' या '100फीसदी सेफ' जैसे दावे पूरी तरह सही नहीं माने जाते हैं क्योंकि किसी भी खाने की चीज में छोटी मात्रा में भी मिलावट या खतरनाक बैक्टीरिया की संभावना होती है। ऐसे दावे केवल तभी किए जा सकते हैं, जब कंपनी के पास ठोस वैज्ञानिक प्रमाण और लैब टेस्ट हों। अगर कोई ब्रांड बिना सबूत के ऐसे दावे करता है तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। सवाल- क्या ग्राहक एक्सपायरी डेट न होने पर शिकायत कर सकता है? जवाब- हां, अगर किसी खाने के पैकेट पर एक्सपायरी डेट नहीं लिखी है या जानबूझकर उसे छुपाया गया है तो ग्राहक इसकी शिकायत कर सकता है। यह लेबलिंग नॉर्म्स का उल्लंघन है। आप एफएसएसएआई या कंज्यूमर हेल्पलाइन पर इसकी रिपोर्ट कर सकते हैं। सवाल- अगर रेस्टोरेंट में साफ-सफाई न हो तो किससे शिकायत करें? जवाब- रेस्टोरेंट में गंदगी, किचन की खराब हालत या हाइजीन की कमी होने पर एफएसएसएआई के पोर्टल या एप पर शिकायत कर सकते हैं। साथ ही स्थानीय या राज्य के फूड सेफ्टी ऑफिसर से भी संपर्क कर सकते हैं। शिकायत के लिए फोटो या वीडियो जरूर बनाएं। सवाल- क्या ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप्स भी एफएसएसएआई के दायरे में आते हैं? जवाब- हां, ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप्स भी पूरी तरह से एफएसएसएआई के नियमों के तहत आते हैं। इन एप्स से जुड़ी हर रसोई और रेस्टोरेंट के पास एफएसएसएआई लाइसेंस होना जरूरी है। यही वजह है कि एप्स पर दिए गए रेस्टोरेंट के नाम के साथ उनका एफएसएसएआई नंबर भी दिखाया जाता है। इसका मतलब है कि आपका खाना सिर्फ डिलीवरी ही नहीं, बल्कि कानून के हिसाब से सेफ्टी चेक से होकर आता है। सवाल- अगर खाने से किसी को फूड पॉइजनिंग हो जाए तो क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- अगर किसी को खाना खाकर फूड पॉइजनिंग हो जाती है तो वह अपनी मेडिकल रिपोर्ट के साथ तुरंत एफएसएसएआई या जिले के फूड सेफ्टी विभाग में शिकायत कर सकता है। जांच में गलत पाए जाने पर दुकानदार या रेस्टोरेंट पर जुर्माना लगाया जा सकता है, उनका लाइसेंस सस्पेंड हो सकता है। गंभीर मामलों में आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। सवाल- क्या सिर्फ ग्राहक ही शिकायत कर सकता है या कोई भी कर सकता है? जवाब- शिकायत करने के लिए ग्राहक होना जरूरी नहीं है। कोई भी व्यक्ति, जैसे राह चलते इंसान, पड़ोसी या वहां काम करने वाला कर्मचारी, खराब खाना या गंदगी की शिकायत कर सकता है। शिकायत करने वाले का नाम और पहचान गुप्त रखी जाती है। सवाल- उपभोक्ता अपनी शिकायत कितने स्तरों पर और किस राशि सीमा तक दर्ज करा सकता है? जवाब- उपभोक्ता शिकायत अलग-अलग स्तरों पर दर्ज की जा सकती है, जिसकी सीमा राशि इस प्रकार है। जिला उपभोक्ता फोरमः 0 रुपए से 50 लाख रुपए तक की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। राज्य उपभोक्ता आयोगः 50 लाख रुपए से 2 करोड़ रुपए तक की शिकायतें यहां दर्ज होती हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोगः 2 करोड़ रुपए से अधिक की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। अगर किसी मामले में राष्ट्रीय आयोग में भी सही न्याय नहीं मिलता है तो इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की जा सकती है।

खराब या मिलावटी न हो और सही तरीके से रखा गया हो। अगर पैकिंग वाला सामान है तो उस पर मैन्युफैक्चरिंग डेट और एक्सपायरी डेट साफ लिखी हो। सवाल- भारतीय कानून के मुताबिक खाने-पीने की चीजों को लेकर कौन-कौन से अधिकार मिलते हैं? जवाब- अधिवक्ता रवि रंजन मिश्रा बताते हैं कि भारत में हर व्यक्ति को सुरक्षित और शुद्ध खाने का अधिकार है। इसके लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 बनाया गया है। इस एक्ट का मकसद है कि खाने-पीने की चीजें

संसद की सुरक्षा में चूक,दीवार फांदकर कैम्पस में पहुंचा व्यक्ति

नयी दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में गुरुवार को सेंध का

मामला सामने आया। एक व्यक्ति दीवार कूदकर संसद भवन में घुस गया और गरुड़ द्वारा तक पहुंच गया। सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत दबोच लिया। अब उससे पूछताछ की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी सुबह 6.30 बजे रेलभवन के पास पेड़ की मदद से दीवार पर चढ़ा और कूदकर अंदर घुसा। हालांकि, घटना के समय संसद में कोई सांसद मौजूद नहीं था। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को खत्म हो गया था और राज्यसभा और लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। एक साल पहले 16 अगस्त 2024 को भी एक युवक दोपहर में दीवार फांदकर संसद परिसर में घुस गया था। वहां तैनात सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। संसद भवन की सुरक्षा में 16 अगस्त 2024 को बड़ी चूक सामने आई थी। दोपहर करीब 2:45 बजे एक युवक इम्तियाज खान मार्ग की तरफ से दीवार फांदकर संसद एनेक्सी भवन के कैंपस में कूद गया था। वहां मौजूद सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने तुरंत उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।आरोपी युवक शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था। उसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आईं, जिनमें सीआईएसएफ के जवान उसे पकड़कर ले जाते दिख रहे थे। घटना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले जाकर पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ लगता है और वह अपना नाम भी सही से नहीं बता पा रहा था। बाद में उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी मनीष के रूप में हुई। उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला।

फ़िल्म 'फ्रॉड सैंया' के अनुभवों पर अभिनेत्री कंचन अवस्थी से खास बातचीत, प्रस्तुतकर्ताः आधुनिक समाचार संवाददाता सुधानु शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) **प्रश्न 1ः आपकी फिल्म 'फ्रॉड सैंया'**

सुधांशु शर्मा रीजियो प्रमुख आधुनिक समाचार

में भूमिका कैसी थी? उत्तरः इस फिल्म में मैंने अरशद वारसी जी की पत्नी का किरदार निभाया है। कहानी में उनका किरदार कई शादियाँ करता है, और मैं उनकी चौथी पत्नी बनी हूँ। मेरा रोल कॉमिक भी है और चुनौतीपूर्ण भी।**प्रश्न 2ः अरशद वारसी जैसे वरिष्ठ अभिनेता के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?** उत्तरः शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन अरशद जी ने बहुत सहज और सकारात्मक माहौल बनाया। वे बहुत अच्छे को-एक्टर हैं। उनकी कॉमिक टाइमिंग ग़ज़ब की है, जिससे बहुत कुछ सीखने को मिला। **प्रश्न 3ः क्या फिल्म इंडस्ट्री में किसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?** उत्तरः 'कास्टिंग काउच' जैसी किसी स्थिति का सामना मुझे नहीं करना पड़ा। लेकिन शुरुआती दिनों में कुछ ऑफर्स ऐसे आए थे जहाँ पे मेहनताना (remuneration) में समझौता करने की बात की गई थी। फिर भी मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया और समय के साथ बेहतर अवसर मिले। **प्रश्न 4ः Fraud Saiyyan से आपकी उम्मीदें क्या हैं?** उत्तरः इस फिल्म के ज़रिए मुझे बड़े बैनर और नए दर्शकों तक पहुँचने की उम्मीद है। मैंने इसमें अपना सौ प्रतिशत दिया है। चाहती हूँ कि दर्शक मेरे काम को पसंद करें और मुझे और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने का

मौका मिले। **प्रश्न 5ः सेट पर कोई यादगार या मज़ेदार पल जो आप साझा करना चाहें?** उत्तरः सेट पर माहौल बहुत ही मस्तीभरा और सकारात्मक था। कई बार सीन्स

अभिनेत्री कंचन अवस्थी

के दौरान हम हँसी रोक नहीं पाते थे। अरशद जी के साथ शूटिंग करना अपने आप में एक लर्निंग एक्सपीरियंस था। **प्रश्न 6ः आगे किन तरह की भूमिकाएं करना चाहेंगी?** उत्तरः मैं हर तरह की भूमिकाओं के लिए तैयार हूँ, लेकिन ऐसी स्क्रिप्ट्स करना चाहती हूँ जहाँ महिला किरदार मजबूत हो। सामाजिक मुद्दों पर बनी फिल्में करना मेरी प्राथमिकता में है। **प्रश्न 7ः नए कलाकारों को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?** उत्तरः धैर्य रखें, ईमानदारी से मेहनत करें और कभी भी आत्म-सम्मान से समझौता न करें। सही समय पर सही अवसर ज़रूर मिलेगा।

'बिग बॉस 19' के कंफर्म कंटेस्टेंट की लिस्ट आई सामने,सिंगर अमाल मलिक शो में दिखेंगे, गैंग्स ऑफ वासेपुर के राइटर जीशान कादरी की भी एंट्री

मुंबई। कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' को लेकर काउंटडाउन शुरू हो चुका है। सभी के मन में यह सवाल है कि इस बार कौन-कौन कंटेस्टेंट्स घर में एंट्री लेंगे। ऐसे में 'दैनिक भास्कर' आपको कुछ कन्फर्म कंटेस्टेंट्स के नाम बता रहा है, जो सूत्रों के हवाले से सामने आए हैं। सोर्स की माने तो शो में म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक,'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के राइटर जीशान कादरी, एक्टर गौरव खन्ना, अभिषेक बजाज, यूट्यूबर मृदुल तिवारी, मॉडल नेहल चुडासमा, एक्टर-मॉडल बशीर अली, कंटेंट क्रिएटर और कपल आवेज दरबार-नगमा मिराजकर, टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर, मोटिवेशनल स्पीकर तान्या मित्तल नजर आएंगी। बता दें कि इस बार मेकर्स ने शो खास बनाने के लिए कंटेस्टेंट सेलेक्शन में काफी ध्यान दिया है। सोर्स की माने तो इस बार बड़े नाम को देखकर नहीं, बल्कि कैरैक्टर और पर्सनैलिटी ट्रेट देख सेलेक्ट किया गया है। वहीं, इस बार शो के होस्ट सलमान खान भी बदले अंदाज में नजर आएंगे। शो में अब वो कंटेस्टेंट को डांटेंगे नहीं। साथ ही, उनका मजाकिया अंदाज भी दिखेगा। बिग बॉस 19' के कंटेस्टेंट के बारे में कुछ खास बातें- अमाल मलिक- अमाल मलिक म्यूजिक की दुनिया का चर्चित नाम हैं। वो एक म्यूजिकल फैमिली बैकग्राउंड से भी आते हैं। उनके पिता डब्बू मलिक इंडस्ट्री में बतौर एक्टर और

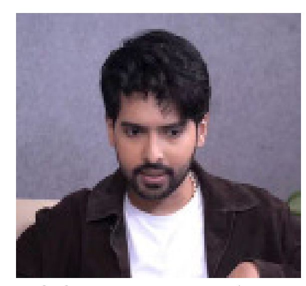

म्यूजिशियन काम कर चुके हैं। चाचा अनु मलिक सफल म्यूजिक कंपोजर हैं। अमाल के छोटे भाई अरमान मलिक भी बॉलीवुड में बतौर सिंगर अपनी पहचान बना चुके हैं। अमाल पिछले कुछ समय से अपने मेंटल हेल्थ और फैमिली कंट्रोवर्सी के वजह से सुर्खियों में हैं।जीशान कादरी- जीशान की पहचान एक्टर, राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर की है। फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' की स्टोरी इनके दिमाग की उपज है। जीशान ने अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'गैंग्स

ऑफ वासेपुर-2' के राइटर हैं। धनबाद के वासेपुर में पले-बढ़े जीशान फिल्म के सेकंड पार्ट में डेफिनिट का रोल निभा एक्टिंग का दम भी दिखा चुके हैं। इसके अलावा वो शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'ब्लडी डैडी', 'वो भी दिन थे', 'होटल मिलान', 'रिवॉल्वर रानी' में दिख चुके हैं। जीशान पर एक प्रोड्यूसर से धोखाधड़ी का आरोप लगा चुका है।गौरव खन्ना- फेमस शो 'अनुपमा' में अनुज कपाड़िया का रोल निभाने वाले गौरव यूपी के कानपुर से हैं। गौरव एक्टर बनने से पहले एक आईटी फर्म में मैनेजर थे। फिर वो टीवी कमर्शियल से काम करने के बाद साल 2004 में बतौर एक्टर टीवी के दुनिया में कदम रखा। इसके अलावा गौरव सेलिब्रेटी मास्टर शेफ 2005 के विनर भी हैं।अभिषेक बजाज- अभिषेक टीवी और बड़े पर्दे दोनों पर काम कर चुके हैं। दिल्ली के रहने वाला अभिषेक ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद साल 2011 में सोनी टीवी के शो 'परवरिश कुछ खट्टी, कुछ मीठी' से एक्टिंग में कदम रखा। 'दिल देके देखो', 'जिंदगी क्रॉसरोड' और 'जुबली टॉकीज' उनका फेमस शो हैं। वहीं, बड़े पर्दे पर स्टूडेंट ऑफ द ईयर, 'द क्वाइन', 'चंडीगढ़ करे आशिकी' और 'बबली बाउंसर' जैसी फिल्म कर चुके हैं।मृदुल तिवारी- यूपी के इटावा से आने वाले 24 साल के मृदुला तिवारी एक पॉपुलर यूट्यूबर हैं। वह अपने कॉमेडी चैनल द मृदुल के लिए जाने जाते हैं, जहां वो इंडियन लाइफ से जुड़ी दिलचस्प वीडियो बनाते हैं। इनके चैनल पर 19 मिलियन फॉलोवर्स हैं और इनके हर वीडियो पर 7 मिलियन के ऊपर व्यूज हैं। इनका नाम एक हिट एंड रन केस में भी आ चुका है। इस केस की वजह से भी वो काफी सुर्खियों में रहे थे।नेहल चुडासमा-

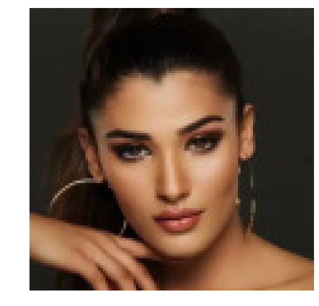

28 साल की नेहल मुंबई की रहने वाली हैं और कई ब्यूटी पेजेंट होल्डर भी हैं। नेहल मिस दीवा यूनिवर्स 2018 की विनर रह चुकी हैं। फेमिना मिस गुजरात की टॉप थ्री कंटेस्टेंट में इनका नाम था। ये मिस यूनिवर्स 2018 में भारत को थाईलैंड में रिप्रजेंट कर चुकी हैं। वहां पर ये टॉप 20 में भी जगह नहीं बना पाई थीं। नेहल की फिलहाल पहचान मॉडल, फिटनेस कंसल्टेंट की है।बशीर अली- बशीर एक्टर होने के साथ 'एमटीवी रोडीज', 'स्प्लिट्सविला 10', 'आइस ऑफ स्पेस 2' जैसे रियलिटी शो का हिस्सा रह चुके हैं। असल मायनों में कहे तो उन्हें रियलिटी शो का काफी अनुभव है। बशीर 'स्प्लिट्सविला 10' के विनर भी हैं। बशीर रियलिटी शो में अपने गुस्से के लिए काफी सुर्खियां बटोर चुके हैं।आवेज दरबार-नगमा मिराजकर- आवेज दरबार मशहूर म्यूजिक कंपोजर इस्माइल दरबार के बेटे हैं। एक्ट्रेस गौहर खान इनकी भाभी लगती हैं। आवेज की खुद की पहचान एक्टर, कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की है। वहीं, नगमा मिराजकर फैशन इनफ्लुएंसर हैं। साल 2024 में ब्यूटी क्रिएटर ऑफ द इयर अवॉर्ड जीत चुकी हैं। आवेज-नगमा

अपने रिश्तों की वजह से भी सुर्खियों में रहते हैं। लेकिन फिलहाल इनके ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं।अशनूर कौर- 21 साल की अशनूर टीवी पर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपना करियर शुरू किया था। वो कई पॉपुलर सीरियल्स का चेहरा रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने म्यूजिक वीडियो भी किया है। बड़े पर्दे पर ये राजकुमार हिरानी की फिल्म 'संजू', अनुराग कश्यप की 'मनमर्जियां' में काम कर चुकी हैं और इनकी अब तक की इमेज काफी साफ-सुथरी रही है।तान्या मित्तल- मध्य प्रदेश के ग्वालियर से आने वाली तान्या एक फेमस एंटरप्रेन्योर, टेड स्पीकर, पोएट और ऑथर हैं। साल 2018 का मिस एशिया टूरिज्म यूनिवर्स खिताब जीत चुकी हैं। इन सबके अलावा वो सामाजिक मुद्दों पर भी काम करती हैं। इन्होंने एक गांव को गोद लिया है, जिसमें वो महिलाओं के हेल्थ और हाइजीन पर काम करती हैं। फरवरी में हुए पहलगाम हमले पर बयान देकर विवादों में घिर चुकी हैं। इनके बयान पर मध्य प्रदेश सरकार को सफाई देनी पड़ी थी। कुंभ हादसे में भी ये अपने बयान को लेकर कंट्रोवर्सी खड़ा कर चुकी हैं।इसके अलावा यूट्यूबर गेमर पायल धरे, शिवेत तोमर, अनाया बांगर, शफक नाज, हुनर हाली, धीरज धूपर जैसे नामों के भी घर में आने की चर्चा है।

ऐलोपेशिया के शक में बाल झड़ते ही जा रहे,पति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी

बेटी रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली

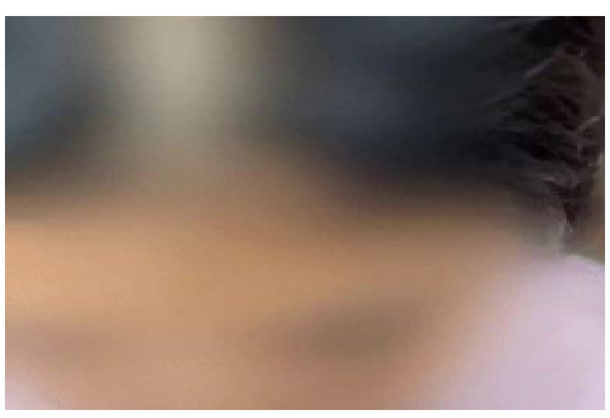

लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे।

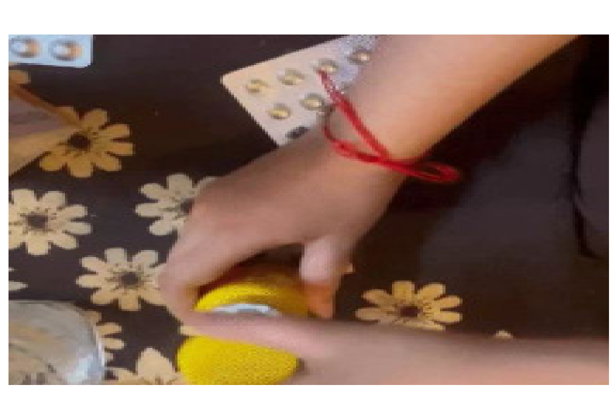

मेरा रात में सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी। ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

पति बेरोजगार हैंःससुराल से मदद लेने में उनका इगो टकराता है, पति को कैसे समझाऊं, मदद लेना कमजोरी नहीं, साहस है

नयी दिल्ली। एक्सपर्टः द्युतिमा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एंड ट्रॉमा थेरेपिस्ट, भोपाल से समझते हैं सवाल जवाब के माध्यम से. सवालः मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। मैं और मेरे पति आर्थिक तनाव से जूझ रहे हैं। हाल ही में उनकी नौकरी चली गई और अब हम मेरी आमदनी और कुछ बचत पर निर्भर हैं। मैं पैसे को लेकर सतर्क हूं, लेकिन वह खर्च करने में लापरवाह हैं, जिससे हमारे बीच बहस होती है। मैं उनकी नौकरी छूटने के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती, लेकिन मुझे भविष्य की चिंता सता रही है। मेरे परिवार ने मदद की पेशकश की, पर उन्हें लगता है कि उनका आत्मसम्मान बिखर जाएगा। हम पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? क्या मुझे सख्त बजट बनाना चाहिए या कोई और तरीका है? उनकी इमोशनल मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? जवाबः शादी के 3 साल बाद, आपके पति की नौकरी छूटने से आर्थिक तनाव बढ़ गया है। आप अपनी इनकम और कुछ बचत पर निर्भर हैं और आपके अलग-अलग खर्च करने के तरीकों के कारण बहस हो रही है। आप भविष्य की चिंता में हैं, लेकिन अपने पति के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती हैं। आपके परिवार ने मदद की पेशकश की है, लेकिन आपके पति को लगता है कि इससे उनका आत्मसम्मान कम होगा। आप पूछ रही हैं कि पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोका जाए, क्या सख्त बजट बनाना चाहिए, उनकी भावनात्मक मदद कैसे करें और उन्हें कैसे समझाएं कि ससुराल से मदद लेना ठीक है। सबकुछ एक-एक करके समझते हैं।पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है खुलकर बातचीत और एकजुटता। अपने पति के साथ शांत माहौल में

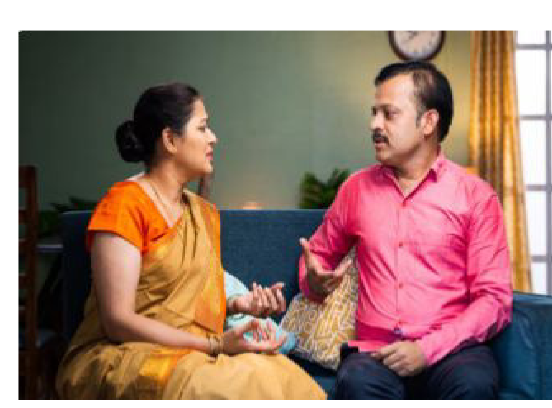

बैठें और अपनी चिंताओं को साझा करें। उदाहरण के लिए, आप उन्हें बताएं कि आप ये समझती हैं कि यह आप दोनों के लिए मुश्किल है, लेकिन अगर हम साथ मिलकर इसे संभालें, तो हमारा रिश्ता मजबूत रहेगा। बहस को समाधान की ओर मोड़ें।खुलकर बातचीत से आप दोनों के बीच विश्वास बढ़ेगा और पैसे का तनाव रिश्ते पर भारी नहीं पड़ेगा।हां, एक सख्त लेकिन लचीला बजट बनाना चाहिए। इसे दोनों आपसी सहमति से तैयार करें, ताकि कोई दबाव महसूस न करे। बजट आपकी आय और खर्चों को नियंत्रित करेगा और बहस को कम करेगा। साथ ही, साझा वित्तीय लक्ष्य बनाना भी जरूरी है।इस दौरान आप अपने पति की नौकरी खोजने में मदद करें। उनके रिज्यूम को अपडेट करने या जॉब पोर्टल्स पर आवेदन करने में मदद करें। बजट और लक्ष्य से आपको स्पष्टता मिलेगी और आप दोनों एक टीम की तरह काम करेंगे। उनकी भावनात्मक मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? नौकरी छूटने से आपके पति का आत्मसम्मान को नुकसान हुआ होगा। उनकी भावनात्मक मदद के लिए आपको संवेदनशीलता और धैर्य दिखाना होगा। हकीकत से निपटने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएं। भावनात्मक रूप से साथ देने के तरीके- बातें सुनेंः उनकी बात बिना जज किए सुनें। अगर वे चिंता साझा करें, तो कहें, 'मैं समझती हूं कि यह तुम्हारे लिए कितना मुश्किल है।' सहानुभूति रखेंः उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं। कैसी भी मुश्किल हो साथ मिलकर पार कर लेंगे। सकारात्मकता लाएंः साथ में वॉक पर जाएं, पुरानी यादें ताजा करें, या घर पर कोई सस्ता शौक शुरू करें। हिम्मत बंधाएंः उन्हें याद दिलाएं, 'यह अस्थायी है, तुम जल्द ही नई शुरुआत करोगे।' हकीकत से निपटने के लिए- उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए भी वित्तीय स्थिति पर स्पष्ट चर्चा करें।छोटे-छोटे कदम सुझाएं, जैसे नौकरी की तलाश में मदद करना या बजट का पालन करना। धैर्य रखें, लेकिन जरूरत पड़ने पर सख्ती भी दिखाएं, जैसे गैर-आवश्यक खर्च रोकना। भावनात्मक समर्थन से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और हकीकत से निपटने में आप दोनों की भागीदारी रिश्ते को मजबूत करेगी।उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? आपके पति को लगता है कि ससुराल से मदद लेने से उनका आत्मसम्मान कम होगा, जो भारतीय संस्कृति में आम सोच है। इसे संवेदनशीलता से समझाएं। मदद को अस्थायी बताएंः उनसे कहें कि यह मदद सिर्फ इस मुश्किल वक्त को पार करने के लिए है। जब तुम्हारी नौकरी लग जाएगी, हम इसे लौटा देंगे। औपचारिक बनाएंः इसे कर्ज की तरह पेश करें और कहें, हम इसे लिखित रूप में रख सकते हैं, ताकि तुम्हें बोझ न लगे। प्यार और समर्थन पर जोर देंः उन्हें बताएं कि आपका परिवार हमारी मदद करना चाहता है क्योंकि वे हमसे प्यार करते हैं। इसमें शर्म की बात नहीं है। इससे जुड़े उदाहरण देंः अगर आपके परिवार ने पहले उनकी मदद की हो, तो उसे याद दिलाएं। उन्हें यह एहसास दिलाएं कि यह एक अस्थायी समाधान है और इससे उनकी गरिमा कम नहीं होगी।आर्थिक तनाव से निपटने के टिप्स खुलकर बात करेंः अपनी चिंताएं साझा करें और उनकी भावनाओं को समझें। बजट और लक्ष्य बनाएंः सख्त लेकिन लचीला बजट बनाएं और साझा फाइनेंशियल टारगेट तय करें। इमोशनल सपोर्ट देंः उनका आत्मसम्मान बढ़ाएं और सकारात्मक रहें। परिवार से मदद लेंः इसे अस्थायी और सम्मानजनक तरीके से पेश करें। जरूरत पर पेशेवर मदद लेंः वित्तीय सलाहकार या काउंसलर से सहायता लें।

केबीसी में दिखा बिग बी का रोमांटिक अंदाजःकंटेस्टेंट को दी नैपकिन और फिर जेब में रख लिया, यूजर्स बोले- हेल्दी फ्लर्ट

मुंबई। कौन बनेगा करोड़पति का 17वां सीजन इस वक्त ऑन एयर है। बतौर होस्ट अमिताभ बच्चन का ये 16वां

सीजन है। शो में अक्सर महिला कंटेस्टेंट बिग बी के लिए अपना प्यार जाहिर करते रहती हैं लेकिन 16 साल में पहली बार अमिताभ बच्चन किसी महिला कंटेस्टेंट से फ्लर्ट करते नजर आ रहे हैं। चैनल की तरफ से शो का लेटेस्ट प्रोमो में जारी किया गया है। आने वाले एपिसोड में हॉट सीट पर नासिक की विजय चड्ढा नजर आ रही हैं। विजय बिग बी की जबरदस्त फैन हैं। प्रोमो में वो अमिताभ बच्चन से कहते नजर आती हैं कि 'आप मिले नहीं सर मुझे, देखो 25 साल लगा दिए।' इसके जवाब में बिग बी कहते हैं - 'हां ये तो हो गया।' फिर विजय अमिताभ की फिल्म सिलसिला का गाना ये कहां आ गए हम का जिक्र करती हैं। विजय की बातें सुनकर बिग बी शरमा जाते हैं। प्रोमो में दिखता है कि विजय की बातें सुनने के बाद अमिताभ बच्चन अपनी सीट से उठते हैं और हॉट सीट पर बैठी विजय को पानी का गिलास और नैपकिन देते हैं। फिर वो विजय से कहते हैं- 'ये लीजिए अपना होंठ पोंछ लीजिए।' इसके बाद वो नैपकिन वापस मांगते हैं। विजय बिग को नैपकिन देने से मना करती हैं।इस पर बिग बी फ्लर्ट अंदाज में कहते हैं, 'नहीं, नहीं, लाइए...बहुत कम अवसर मिलता है कि महिला के होंठों काष्ठ'उनका इतना कहते हैं वहां मौजूद ऑडियंस की हंसी छूट जाती है। बिग बी का बातें सुनकर विजय भी शरमा जाती हैं। अमिताभ विजय से नैपकिन लेकर अपने जेब में रख लेते हैं। इस पर विजय उनसे कहती हैं- 'सर जया जी ने आपकी जेब चेक नहीं करेंगी?' इस पर बिग बी कहते हैं- 'कभी हो ही नहीं सकता ऐसा। चेक भी किया तो बोल देंगे कि नाम साफ कर के रखा है।' बता दें कि कौन बनेगा करोड़पति पहली बार साल 2000 में ऑन एयर हुआ था। उसके बाद दूसरे सीजन को आने में चार साल का वक्त लगा। दूसरा सीजन साल 2005 में आया था, जिसके होस्ट बिग बी ही थे। शो के तीसरे सीजन को शाहरुख खान ने होस्ट किया था। सीजन चार से अब तक अमिताभ बच्चन ही शो के होस्ट हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।